लेखाशास्त्र

अध्याय-3: लेन-देनों का अभिलेखन -1

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रमाणन

सामान्य शब्दों में यह एक ऐसा प्रपत्र होता है जिसे किसी वस्तु को खरीदने के पश्चात सबूत (Evidence) के रूप में प्राप्त होता है। इसे रसीद, बिल, Slip, Payment Receipts, Invoice आदि कई अलग-अलग नामों से जानते हैं।

प्रमाणन (Vouching) अंकेक्षण की आधारशिला है अर्थात वाउचिंग नहीं रहेगा तो अंकेक्षण का कोई महत्व ही नहीं होगा। जिस तरह से कलम में स्याही के बिना, मानव शरीर में रक्त के बिना और बिजनेस में पैसा के बिना।

प्रमाणन का कार्य करते समय अंकेक्षक को काफी सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। अंकेक्षक जब अपना काम शुरू करता है तो सबसे पहले उसे प्रारंभिक लेखा पुस्तकों की जांच करनी होती है फिर उसे यह भी देखना होता है कि क्या प्रविष्टियां सही व नियम के अनुसार की गई है या नहीं। सभी प्रविष्टि प्रमाणक के आधार पर हुई हैं या नहीं। क्या कोई ऐसा भी वाउचर है जिसका प्रविष्टि ही नहीं हुआ है या फिर कोई ऐसा प्रविष्टि हो गया है जिसका वाउचर ही नहीं है। अतः इस संपूर्ण प्रक्रिया को प्रमाणन कहा जाता हैं।

डी पौला के अनुसार

“प्रमाणन का आशय केवल प्राप्तियों को रोकड़ पुस्तकों से ही जांचना मात्र नहीं होता है बल्कि व्यापार के सौदों को प्रपत्र एवं पर्याप्त वैधता वाले अन्य प्रमाणको सहित जांचना भी है ताकि अंकेक्षक को यह विश्वास हो जाए कि वे लेन-देन सही हैं, उचित तरीके से किए गए हैं और पुस्तकों में सही जगह पर लिखा गया हैं।,,

प्रमाणन के उद्देश्य

1. प्रमाणन का प्राथमिक उद्देश्य लेखा पुस्तकों की शुद्धता एवं सत्यता का प्रमाण देना है ताकि अंकेक्षक को यह भरोसा हो जाए कि व्यवसाय में जो लेनदेन हुए हैं उससे संबंधित किए गए लेखे सही हैं, नियम के अनुसार किए गए हैं तथा लेखे अधिकृत हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. लेखा पुस्तक में लेनदेन की सभी प्रविष्टियों की गई है या नहीं, इस बात की जानकारी प्राप्त करना भी प्रमाणन का प्रमुख उद्देश्य होता है। इसके लिए प्रत्येक प्रमाणन का मिलान किए गए लेखों से किया जाता है। कोई प्रमाणक ऐसा नहीं होना चाहिए जिनका लेखा नहीं किया गया हो।
3. व्यापारिक लेनदेन की स्वीकृति अधिकृत व्यक्ति द्वारा होने चाहिए अन्यथा मान्य नहीं होगा। लेनदेन की अधिकृत की जानकारी प्रमाणन से होती हैं।
4. कुछ लेनदेन ऐसे भी होते हैं जिनका संबंध व्यवसाय से नहीं होता है जैसे कि व्यक्तिगत खर्चे, व्यक्तिगत उद्देश्य के लिए वस्तुओं की खरीदारी आदि। ऐसे लेखों का ज्ञान प्रमाणक से होता है। वस्तुत इन लेखों को व्यापार में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

प्रमाणन के महत्व

प्रमाणन अंकेक्षण का मुख्य आधार होता है इसका महत्व सामान्यतः खरीदारों यानी कि ग्राहक द्वारा नहीं दिया जाता है लेकिन व्यवसायिक संस्था के लिए बहुत उपयोगी होता हैं। इसके महत्व को निम्नलिखित तरीके से स्पष्ट कर सकते हैं –

अंकेक्षक का प्रारंभिक कार्य है प्रमाणन –

अंकेक्षक का कार्य प्रमाणन के आधार पर ही शुरू होता है बिना इसके अंकेक्षण का कार्य संभव ही नहीं है।

प्रमाणन अंकेक्षण का आधारभूत कार्य हैं –

यदि मकान की नींव मजबूत है तो निश्चित ही वह मकान अधिक समय तक उस नींव पर खड़ा रहेगा। यदि नींव ही कमजोर है तो वह जल्दी ही गिर जाएगा। ठीक वैसे ही यदि प्रमाणन का कार्य सही ढंग से पूरा किया गया हो तो अंकेक्षण का कार्य भी सही तरीके से होगा।

प्रमाणन अंकेक्षण की आत्मा हैं –

जब तक शरीर में आत्मा है तब तक शरीर का महत्व है। आत्मा नहीं होने पर शरीर महत्वहीन हो जाता है । ठीक वैसे ही प्रमाणन अंकेक्षण की आत्मा हैं बिना प्रमाणन के अंकेक्षण का कार्य अधूरा

SHIVOM CLASSES 8696608541

हैं। यूं कहे तो पहले प्रमाणन का कार्य पूरा किया जाता है फिर उसके बाद ही आगे की कार्यवाही में अंकेक्षण का भूमिका होता है

सत्यापन और प्रमाणन में अन्तर

1. संपत्तियों का मूल्यांकन

संपत्तियों और दायित्वों का मूल्यांकन प्रमाणन के अन्तर्गत नही आता है जबकि सत्यापन में संपत्तियों का मूल्यांकन शामिल है। अंकेक्षण स्वयं मूल्यांकन का कार्य नही करता, लेकिन उसे यह प्रमाणित करना पड़ता है कि सभी संपत्तियां ठीक मूल्य पर दिखाई गई है।

2. जांच का क्षेत्र

प्रमाणन के प्रमुख्य रूप में प्रारम्भिक प्रविष्टियों की जांच की जाती है। वही दूसरी और सत्यापन में संपत्तियों के अस्तित्व तथा मूल्यों की जांच की जाती है। प्रमाणन में जांच के आधार उपलब्ध प्रमाणक होते है जबकि सत्यापन में अकेक्षण द्वारा स्वयं उन संपत्तियो का निरीक्षण किया जाता है।

3. जांच करने का समय

प्रमाणन किसी भी समय किया जा सकता है इसके विपरीत सत्यापन केवल उसी समय होता है जब अन्तिम खातों का अंकेक्षण करना है तथा सभी खातों बहियों में हो चुके हों और उनके शेष निकाल लिए गये हों

4. पारस्परिक संबंध

प्रमाणन सत्यापन का ही एक अंश है यद्यपि सत्यापन प्रमाणन का अंग नहीं है। संपत्तियों एवं दायित्वो के सत्यापन के लिए प्रारंभ में प्रमाणन की आवश्यकता पड़ती है लेकिन प्रमाणन एक स्वतंत्र व प्रारंभिक क्रिया है इसमें सत्यापन की क्रियाए नहीं आती।

लेखा समीकरण

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

लेखांकन समीकरण को डबल-एंट्री अकाउंटिंग सिस्टम की नींव माना जाता है। एक कंपनी की बैलेंस शीट पर, यह दर्शाता है कि कंपनी की कुल संपत्ति कंपनी की देनदारियों और शेयरधारकों की इक्विटी के योग के बराबर है।

इस डबल-एंट्री सिस्टम के आधार पर, अकाउंटिंग समीकरण यह सुनिश्चित करता है कि बैलेंस शीट "संतुलित" बनी रहे, और डेबिट पक्ष पर की गई प्रत्येक प्रविष्टि के क्रेडिट पक्ष पर एक समान प्रविष्टि (या कवरेज) होनी चाहिए।

- लेखांकन समीकरण को डबल-एंट्री अकाउंटिंग सिस्टम की नींव माना जाता है।
- लेखांकन समीकरण किसी कंपनी के संतुलन पर दिखाता है कि कंपनी की कुल संपत्ति कंपनी की देनदारियों और शेयरधारकों की इक्विटी के योग के बराबर है।
- एसेट कंपनी द्वारा नियंत्रित मूल्यवान संसाधनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दायित्व उनके दायित्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- दोनों देनदारियों और शेयरधारकों की इक्विटी यह दर्शाती है कि किसी कंपनी की संपत्ति कैसे वित्तपोषित है।
- ऋण के माध्यम से वित्त पोषण एक दायित्व के रूप में दिखाता है, जबकि इक्विटी शेयर जारी करने के माध्यम से वित्तपोषण शेयरधारकों की इक्विटी में दिखाई देता है।

किसी भी व्यवसाय की वित्तीय स्थिति, बड़े या छोटे, का मूल्यांकन बैलेंस शीट के दो प्रमुख घटकों के आधार पर किया जाता है: संपत्ति और देयताएं। मालिकों की इक्विटी, या शेयरधारकों की इक्विटी, बैलेंस शीट का तीसरा खंड है। लेखांकन समीकरण यह दर्शाता है कि ये तीन महत्वपूर्ण घटक एक दूसरे के साथ कैसे जुड़े हैं। लेखांकन समीकरण को मूल लेखांकन समीकरण या बैलेंस शीट समीकरण भी कहा जाता है।

जबकि संपत्ति कंपनी द्वारा नियंत्रित मूल्यवान संसाधनों का प्रतिनिधित्व करती है, देयताएं अपने दायित्वों का प्रतिनिधित्व करती हैं। दोनों देनदारियों और शेयरधारकों की इक्विटी यह दर्शाती है कि किसी कंपनी की संपत्ति कैसे वित्तपोषित है। यदि यह ऋण के माध्यम से वित्त पोषित है, तो यह एक देयता के रूप में दिखाई देगा, और यदि यह निवेशकों को इक्विटी शेयर जारी करने के माध्यम से वित्तपोषित है, तो यह शेयरधारकों की इक्विटी में दिखाएगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

लेखांकन समीकरण यह आकलन करने में मदद करता है कि कंपनी द्वारा किए गए व्यापारिक लेनदेन इसकी पुस्तकों और खातों में सटीक रूप से परिलक्षित हो रहे हैं या नहीं। बैलेंस शीट पर सूचीबद्ध वस्तुओं के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

संपत्ति| Assets

परिसंपत्तियों में नकद और नकद समतुल्य या तरल संपत्ति शामिल हैं, जिसमें ट्रेजरी बिल और जमा के प्रमाण पत्र शामिल हो सकते हैं। लेखा प्राप्य राशि अपने उत्पाद और सेवा की बिक्री के लिए कंपनी द्वारा ग्राहकों पर बकाया धनराशि है। इन्वेंटरी को एक संपत्ति भी माना जाता है।

देयताएं| Liabilities

देयताएं वह हैं जो एक कंपनी आमतौर पर बकाया होती है या कंपनी को चालू रखने के लिए भुगतान करने की आवश्यकता होती है। ऋण, दीर्घकालिक ऋण सहित, एक देयता है, जैसे किराया, कर, उपयोगिताओं, वेतन, मजदूरी, और देय देय लाभांश।

शेयरधारकों की इक्विटी| Equity of share holders

शेयरधारकों की इक्विटी एक कंपनी की कुल संपत्ति है जो इसकी कुल देनदारियों को घटाती है। शेयरधारकों की इक्विटी उस राशि का प्रतिनिधित्व करती है जो शेयरधारकों को लौटा दी जाएगी यदि सभी परिसंपत्तियों को तरल कर दिया गया था और कंपनी के सभी ऋणों का भुगतान किया गया था।

रिटायर्ड कमाई शेयरधारकों की इक्विटी का हिस्सा है और शुद्ध कमाई के प्रतिशत के बराबर है जो शेयरधारकों को लाभांश के रूप में भुगतान नहीं किया गया था। बची हुई कमाई को बचत के रूप में सोचें क्योंकि यह एक कुल मुनाफे का प्रतिनिधित्व करती है जिसे सहेज कर रखा गया है और भविष्य में उपयोग के लिए अलग रखा गया है।

बैलेंस शीट लेखांकन समीकरण का आधार रखती है:

अवधि के लिए बैलेंस शीट पर कंपनी की कुल संपत्ति का पता लगाएं।

कुल सभी देनदारियां, जो बैलेंस शीट पर एक अलग लिस्टिंग होनी चाहिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कुल शेयरधारक की इक्विटी का पता लगाएं और कुल देनदारियों के लिए संख्या जोड़ें।

कुल संपत्ति देनदारियों और कुल इक्विटी के योग के बराबर होगी।

एक उदाहरण के रूप में, मान लीजिए कि वित्तीय वर्ष के लिए, प्रमुख रिटेलर XYZ Corporation ने अपनी बैलेंस शीट पर निम्नलिखित की सूचना दी:

कुल संपत्ति: $ 170 बिलियन

कुल देनदारियाँ: $ 120 बिलियन

कुल शेयरधारकों की इक्विटी: $ 50 बिलियन

यदि हम लेखांकन समीकरण (इक्विटी + देनदारियों) के दाहिने हाथ की गणना करते हैं, तो हम ($ 50 बिलियन + $ 120 बिलियन) = 170 बिलियन डॉलर पर पहुंचते हैं, जो कंपनी द्वारा बताई गई परिसंपत्तियों के मूल्य से मेल खाती है।

डबल-एंट्री सिस्टम

लेखांकन समीकरण डबल-एंट्री अकाउंटिंग की नींव बनाता है और एक अवधारणा का एक संक्षिप्त प्रतिनिधित्व है जो एक बैलेंस शीट के जटिल, विस्तारित और बहु-आइटम प्रदर्शन में फैलता है। बैलेंस शीट डबल-एंट्री अकाउंटिंग सिस्टम पर आधारित है जहां एक कंपनी की कुल संपत्ति कुल देनदारियों और शेयरधारक इक्विटी के बराबर होती है।

अनिवार्य रूप से, प्रतिनिधित्व पूंजी के सभी स्रोतों के लिए पूंजी (संपत्ति) के सभी उपयोगों को बराबर करता है, जहां ऋण पूंजी देनदारियों की ओर जाता है और इक्विटी पूंजी शेयरधारकों की इक्विटी की ओर जाता है।

द्विपक्षीय अवधारणा

इस सिद्धातं के अनुसार प्रत्येक व्यावसायिक लेन-देन के दो पक्ष या दो पहलू होते हैं। अर्थात् प्रत्येक लेन-देन दो पक्षों को प्रभावित करता है । प्रभावित दो पक्षो या खातों में से एक खाते को डेबिट किया जाता है तथा दूसरे खाते को क्रेडिट किया जाता है । जैसे - प्रशांत ने 50,000, नकद लगाकर व्यवसाय प्रारम्भ किया । इस व्यवहार में एक पक्ष रोकड़ व दूसरा पक्ष रोकड़ लगाने वाले

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रशांत का होगा । एक ओर तो रोकड़ सम्पत्ति है तथा दूसरी ओर यह व्यापार का दायित्व माना जायेगा, क्योंकि रोकड़ व्यापार की नहीं है । अत: व्यवाहार का समीकरण होगा । सम्पित्त् दायित्व व्यवसाय के सभी लेन-देन इस अवधारणा के आधार पर लिखे जाते है। । लेखाकर्म की दोहरा लेखा प्रणाली का जन्म इसी अवधारणा के कारण हुआ है । इस सिद्धांत के कारण ही स्थिति विवरण के दोनों पक्ष दायित्व और सम्पत्ति हमेशा बराबर होते हैं । सिद्धांतानुसार निम्नांकि लेखांकन समीकरण सत्य सिद्ध होते है।

सम्पत्तियाँ = दायित्व + पूँजी या पूँजी = सम्पत्तियाँ - दायित्व

Assets = Liabilities + Capital = Assets – Liabilities

द्विपक्षीय लेखांकन का आधारभूत एवं मूलभूत सिद्धांत है। यह व्यावसायिक लेन-देनों को लेखांकन पुस्तकों में अभिलेख्ति करने का आधार प्रदान करता है। इस अवध् ाारणा के अनुसार व्यवसाय के प्रत्येक लेन-देन का प्रभाव दो स्थानों पर पड़ता है अर्थात् यह दो खातों को एक-दूसरे के विपरीत प्रभावित करता है। इसीलिए लेन-देनों का दो स्थानों पर अभिलेखन करना होगा। उदाहरण के लिए मान नकद माल खरीदा। इसके दो पक्ष है:

1. नकद भुगतान
2. माल को प्राप्त करना।

इन दो पक्षों का अभिलेखन किया जाना है। द्विपक्षीय अवधारणा को मूलभूत लेखांकन समीकरण के रूप में प्रर्दशित किया जा सकता है।

परिसंपत्तियाँ = देयताएँ + पूँजी

उपर्युक्त लेखा सभीकरण के अनुसार व्यवसाय की परिसंपत्तियाँ का मूल्य सदैव स्वामी एवं बाह्य लेनदारों की दावे की राशि के बराबर होता है। यह दावा पूँजी अथवा स्वामित्व पूँजी के नाम से जाना जाता है तथा बाह्य लोगों की दावेदारी को देयताएँ अथवा लेनदारों की पूँजी कहते है। द्विपक्षीय अवधारणा लेन-देन के दो पक्षों की पहचान करने में सहायक होती है जो लेखा पुस्तकों में लने -दने के अभिलेखन में नियमों को पय्र ोग करने मे सहायक होता है।द्विपक्षीय अवधारणा का प्रभाव है कि प्रत्येक लेन-देन का समपत्तियाँ एवं देयताओं पर समान प्रभाव इस प्रकार से

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पड़ता है कि कुल सम्पत्तियाँ सदा कुल देयताओं के बराबर होते है।आइए कुछ और व्यावसायिक लेन-देनों का उसके द्विपक्षीय रूप में विश्लेषण करे।

1. व्यवसाय के स्वामी ने पूँजी लगाई।

- रोकड़ की प्राप्ति
- ब. पूँजी में वृद्धि (स्वामीगत पूँजी)

2. मशीन खरीदी भुगतान चैक से किया लेन-देन के दो पक्ष है :

- बैंक शेष में कमी
- ब. मशीन का स्वामित्व

3. नकद माल बेचा दो पक्ष है :

- अ.रोकड़ प्राप्त हुई
- ब. ग्राहक को माल की सुपुर्दगी की गई

4. मकान मालिक को किराए का भुगतान किया दो पक्ष है :

- अ.रोकड़ का भुगतान
- ब. किराया (व्यय किया)

लेन-देन के दोनों पक्षों के पता लग जाने के पश्चात् लेखांकन के नियमों को लागू करना तथा लेखा पुस्तकों में उचित अभिलेखन करना सरल हो जाता है। द्विपक्षीय अवधारणा का अर्थ है कि प्रत्येक लेन-देन का सम्पत्तियाँ एवं देवताओं पर इस प्रकार से समान प्रभाव पड़ता है कि व्यवसाय की कुल परिसम्पत्तियाँ सदा उसकी देयताओं के बराबर होंगी।

- वेतन का भुगतान किया
- किराए का भुगतान किया
- किराया प्राप्त हुआ

वसूली अवधारणा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस अवधारणा के अनुसार किसी भी व्यावसायिक लेन-देन से आगम को लेखांकन अभिलेखो में उसके वसूल हो जाने पर ही सम्मिलित किया जाना चाहिए । वसूली शब्द का अर्थ है राशि को प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्राप्त हो जाना माल का विक्रय वसूली है आदेश प्राप्त करना वसूली नहीं हैदूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं :आगम की वसूली मानी जाएगी जबकि वस्तुओं अथवा सेवाओं की बिक्री या फिर दोनो पर या तो नकद राशि प्राप्त हो चुकी है अथवा नकद प्राप्ति का अधिकार प्राप्त हो चुका हैं । आइए नीचे दिए गए उदाहरणों का अध्ययन करें :

1. एन पी ज्वैलर्स को 500000 रू के मूल्य के सोने के आभूषणों की आपूर्ति करने का आदेश प्राप्त हुआ। उन्होनें 200000 रू के मूल्य के आभूषणों की आपूर्ति 31 दिसम्बर, 2005 मे कर दी और शेष की आपूर्ति जनवरी 2006 में की।
2. बंसल ने 2006 में 100000 रू का माल नकद बेचा तथा माल की सुपुर्दगी इसी वर्ष में की।
3. अक्षय ने वर्ष समाप्ति 31 दिसम्बर, 2005 में 50000 रू का माल उधार बेचा।

माल की सुपुर्दगी 2005 में की गई लेकिन भुगतान मार्च 2006 में प्राप्त हुआ । आइए अब वर्ष समाप्ति 31 दिसम्बर, 2005 के लिए सही आगम वसूली का निर्धारण करने के लिए उपरोक्त उदाहरणों का विश्लेषण करें ।

1. एन. पी ज्वैलर्स की वर्श 2005 की आगम राशि 200000 रू. है । मात्र आदेश प्राप्तकरना आगम नहीं माना जब तक कि माल की सुपुर्दगी न की गई हो ।
2. वर्ष 2005 के लिए बंसल की आगम राशि 1,00,000 रू. है क्योंकि माल की वर्ष 2005 में सुपर्दगी की गई । रोकड़ भी उसी वर्ष में प्राप्त हो गई।
3. अक्षय का वर्ष 2005 का आगम 50000 रू. है क्योकि उपभोक्ता को वर्ष 2005 में माल की सुपर्दगी की गई ।

उपर्युक्त उदाहरणों में आगम की वसूली उस समय मानी जाएगी जबकि माल ग्राहक को सौप दिया हो।

वूसली अवधारणा के अनुसार आगम की वसूली उस समय मानी जाएगी जबकि वस्तुओं अथवा सेवाओं की वास्तव में सुपुर्दगी की गई है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

संक्षेप में कह सकते हैं कि वसूली वस्तुओं अथवा सेवाओं के नकद अथवा उधार बेच देने के समय होती है । इसका अभिप्राय: प्राप्य के रूप में सम्पत्तियों के आन्तरिक प्रवाह से है।

महत्व

1. यह लेखाकंन सूचना को अधिक तर्क संगत बनाने में सहायक है ।
2. इसके अनुसार वस्तुओं के क्रेता को सुपुर्द करने पर ही अभिलेखन करना चाहिए ।

उपार्जन अवधारणा

उपार्जन से अभिप्राय: किसी चीज की देनदारी का बन जाना है विशेष रूप से वह राशि जिसका भुगतान अथवा प्राप्ति लेखा वर्ष के अन्त में होनी है । इसका अर्थ हुआ कि आगम तभी मानी जाएगी जबकि निश्चित हो जाए भले ही नकद प्राप्ति हुई है या नहीं। इसी प्रकार से व्यय को तभी माना जाएगा जबकि उनकी देयता बन जाए । फिर भले ही उसका भुगतान किया गया है अथवा नहीं । दोनों ही लेन-देन का उस लेखा वर्ष में अभिलेखन होगा जिससे वह सम्बन्धित है । इसीलिए उपार्जन अवधारणा नकद की वास्तविक प्राप्ति तथा प्रापित के अधिकार तथा व्ययों के वास्तविक नकद भुगतान तथा भुगतान के दायित्व में अन्तर करता है।

लेखांकन में उपार्जन अवधारणा अन्तर्गत यह माना जाता है कि आगम की वसूली सेवा या वस्तुओं के विक्रय के समय होगी न कि जब रोकड़ की प्राप्ति होती है । उदाहरण के लिए माना एक फर्म ने 55000 रू. का माल 25 माचर्, 2005 को बेचा लेकिन भुगतान 10 अप्रैल, 2005 तक प्राप्त नहीं हुआ । राशि देय है तथा इसका फर्म को बिक्री की तिथि अर्थात् 25 मार्च, 2005 को भुगतान किया जाना है । इसको वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2005 की आगम में सम्मिलित किया जाना चाहिए । इसी प्रकार व्ययों की पहचान सेवाओं की प्राप्ति के समय की जाती है न कि जब इन सेवाओं का वास्तविक भुगतान किया जाता है । उदाहरण के लिए माना फर्म ने 20000 रू. की लागत का माल 29 मार्च, 2005 को प्राप्त किया लेकिन 2 अप्रैल, 2005 को किया गया । उपार्जन अवधारणा के अनुसार व्ययों का अभिलेखन वर्श समाप्ति 31 मार्च 2005 के लिए किया जाना चाहिए जबकि 31 मार्च, 2005 तक कोई भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यद्यपि सेवाएँ प्राप्त की जा चुकी है तथा जिस व्यक्ति का भुगतान किया जाना है उसे लेनदार दिखाया गया है।

विस्तार से उपार्जन अवधारणा की मांग है कि आगम की पहचान उस समय की जाती है जबकि उसकी वसूली हो चुकी हो और व्ययों की पहचान उस समय की जाती है जबकि वह देय हों तथा उनका भुगतान किया जाना हो न कि जब भुगतान प्राप्त किया जाता है अथवा भुगतान किया जाता है।

मिलान अवधारणा

मिलान अवधारणा के अनुसार आगम के अर्जन के लिए जो आगम एवं व्यय कि जाए वह एक ही लेखा वर्ष से सम्बन्धित होने चाहिए। अत: एक बार यदि आगम की प्राप्ति हो गई है तो अगला कदम उसको सम्बन्धित लेखा वर्ष में आबटंन करना है और यह उपार्जन के आधार पर किया जा सकता है।

यह सिद्धांत स्पष्ट करता है कि व्यवसाय में अर्जित आगम व किये गए व्ययों को कैसे सम्बन्धित किया जाए। आगम व व्ययों का मिलान करते समय सर्वप्रथम एक निश्चित अवधि की आगम को निर्धारित करना चाहिए इसके बाद इस आगम को प्राप्त करने के लिए किये गए व्ययों को निर्धारित करना चाहिये। अर्थात् आगम का व्ययों से मिलान करना चाहिए, न कि व्ययों का आगम से। सिद्धांत के अनुसार आगम का व्ययों से मिलान करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना आवष्यक है।

1. लाभ-हानि खाते में जब आगम की किसी मद को आय पक्ष में लिखा जाता है तो उस आगम को प्राप्त करने के लिए किये गए व्यय को भी व्यय में लिखा जाना चाहिए। भले ही व्यय का नगद भुगतान किया गया हो या भुगतान न किया गया हो। अर्थात् अदत्त व्यय (Outstandingexpense) को भी लिखा जाना चाहिए।
2. जब भुगतान की गई किसी व्यय राशि का कुछ भाग आगामी वर्ष में आगम का सृजन करने वाला हो को ऐसे व्यय भाग को आगामी वर्ष का व्यय माना जाना चाहिए तथा चालू वर्ष में इसको चिट्ठे (Balance sheet) के सम्पत्ति पक्ष में दर्शाना चाहिए।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. वर्ष के अन्त में जो माल बिकने से रह जाता है, ऐस माल सम्पूर्ण लागत को आगामी वर्ष की लागत मानकर इसे आगामी वर्ष के हिसाब में शामिल किया जाना चाहिए ।
4. आगम की ऐसी कोई मद जिसके लिए माल या सेवाओं का हस्तान्तरण आगामी वर्ष में किया जाना है तो इस आगम को चालू वर्श की आगम नहीं मानना चाहिए बल्कि इसे चालू वर्ष के दायित्वों में सम्मिलित करना चाहिए ।
5. IEA एक व्यवसाय के दिसम्बर 2006 के निम्नलिखित लेन-दने का अध्ययन कर।

1. बिक्री : नकद 2000 रू. एवं उधार 1000 रू.
2. वेतन भुगतान 350 रू. किया
3. कमीश्न का भुगतान 150 रू. किया
4. ब्याज प्राप्त 50 रू. किया
5. 140 रू. किराया प्राप्त किया जिसमें से 40 रू. 2007 के लिए है ।
6. भाड़े का भुगतान 20 रू. किया
7. पोस्टेज 30 रू.
8. 200 रू. किराए के दिए जिसमें से 50 रू. 2005 के लिए दिए ।
9. वर्ष में नकद माल 1500 रू. एवं उधार 500 रू. खरीदा ।
10. मशीन पर अवक्षयण 200 रू. लगा ।

प्रारम्भिक प्रविष्टि

गत वर्ष (Previous Year) के चिट्ठे (Balancesheet) में दर्शाये गये व्यक्गित (Personal) एवं सम्पत्ति(Assets) खातों के शेषों को नये वर्ष की बहियों में लाने के लिए वर्ष के प्रथम दिन जो प्रविष्टि (Entry) की जाती है, उसे प्रारम्भिक प्रविष्टि(Opening Entry) कहते हैं।

अन्य शब्दों में जब व्यापारिक वर्ष समाप्त होता है तो आगामी व्यापारिक वर्ष के लिए नवीन पुस्तकें(New Books Of Account) प्रयोग में लायी जाती हैं। गत वर्ष(पिछले वर्ष Previous Year) के चिट्ठे में दर्शाये गये व्यक्तिगत और सम्पत्ति खातों के शेषों को चालू वर्ष(Current Year) की पुस्तकों में लाने के लिए नये वर्ष के प्रथम दिन जर्नल में जो प्रविष्टि की जाती हैं उसे प्रारम्भिक प्रविष्टि कहते हैं। प्रारम्भिक प्रविष्टि में समस्त सम्पत्ति खातों(All Assets Accounts)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

को डेबिट(Debit) और समस्त दायित्व खातों(All liabilities Accounts) और पूँजी खाते (Capital Account) को क्रेडिट(Credit) किया जाता है। जैसे-

Opening Journal Entry(Prarambhik pravishti)

Cash A/c Dr

bank A/c Dr

Building A/c Dr

Machinery A/c Dr

Stock A/c Dr

Furniture A/c Dr

Debtors A/c Dr

Bills Receivable A/c Dr

Plant A/c Dr

Prepaid Exp. A/c Dr

Accrued Income A/c Dr

Patent A/c Dr

Fixtures&Fitting A/c Dr

Investment A/c Dr

Plant A/c Dr

Goodwill A/c Dr

Other Assets A/c Dr

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

To Bills Payable A/c

To Creditors A/c

To Bank Loan A/c

To Bank Overdraft A/c

To Outstanding Exp. A/c

To Advance Income A/c

To Capital A/c

To Capital Reserve A/c

(Being recording of the opening balances of Assets, Liabilities and Capital)

or

(Being opening Balance of Assets and liabilities recorded)

1. यदि सम्पत्तियों का योग अधिक हो और दायित्वों का योग कम हो और पूँजी ज्ञात न हो तो अन्तर की राशि पूँजी कहलाती है-

पूँजी = सम्पत्तियों का योग -दायित्वों का योग

Capital = Total Assets – liabilities

2. यदि दायित्वों का योग अधिक हो और सम्पत्तियों का योग हो तो अन्तर की राशि ख्याति कहलाती है-

ख्याति = दायित्वों का योग – सम्पत्तियों का योग

Goodwill = Total Liabilities – Total Assets

3. यदि सम्पत्तियों का योग अधिक हो और दायित्वों का योग कम हो और पूँजी ज्ञात हो तो अन्तर की राशि पूँजी संचय कहलाती है-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पूँजीसंचय = सम्पत्तियों का योग -दायित्वों का योग

Capital Reserve = Total Assets – Total liabilities

यदि सम्पत्तियों का योग अधिक हो और दायित्वों का योग कम हो और पूँजी ज्ञात न हो तो अन्तर की राशि पूँजी कहलाती है-

For Example- The various balances of JSMR ltd on 1st April 2021 were as follows

Debt Balance : Cash Rs. 30,000 furniture Rs. 50,000 Building Rs. 2,00,000 &

Debtors Rs. 30,000 Credit Balance : Creditors Rs. 1,60,000, Bank loan Rs. 25,000. Pass Opening Entry.

Opening Journal Entry

Date	Particulars		L.F.	Amount (Debit)	Amount (Credit)
2021				₹	₹
April 1	Cash A/c	Dr.		30,000	
	Furniture A/c	Dr.		50,000	
	Building A/c	Dr.		2,00,000	
	Debtors A/c	Dr.		30,000	
	To Creditors A/c				1,60,000
	To Bank loan A/c				25,000
	To Capital A/c				1,25,000
	(Being recording of the opening balances of Assets, Liabilities and Capital)				
	Total			**3,10,000**	**3,10,000**

पूँजी = सम्पत्तियों का योग -दायित्वों का योग

Capital = Total Assets – liabilities

Total Assets = Cash + furniture + Building + Debtors

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Total Assets = 30,000 + 50,000 + 2,00,000 + 30,000

Total Assets = 3,10,000

Total liabilities = Creditors + Bank loan

Total liabilities = 1,60,000 + 25,000

Total liabilities = 1,85,000

Capital = 3,10,000 – 1,85,000

Capital = 1,25,000

यदि दायित्वों का योग अधिक हो और सम्पत्तियों का योग हो तो अन्तर की राशि ख्याति कहलाती है-

2. For Example- The various balances of JSMR ltd on 1st April 2021 were as follows

Debt Balance : Cash Rs. 20,000 furniture Rs. 50,000 Building Rs. 1,50,000 &

Debtors Rs. 80,000, Stock Rs 50,000

Credit Balance : Creditors Rs. 1,50,000, Bank loan Rs. 30,000, Capital Rs. 2,00,000

Outstanding Expenses Rs. 20,000 Pass Opening Entry.

Opening Journal Entry

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars		L.F.	Amount (Debit)	Amount (Credit)
2021				₹	₹
April 1	Cash A/c	Dr.		20,000	
	Furniture A/c	Dr.		50,000	
	Building A/c	Dr.		1,50,000	
	Debtors A/c	Dr.		80,000	
	Stock A/c	Dr.		50,000	
	Goodwill A/c	***Dr.***		***50,000***	
	To Creditors A/c				1,50,000
	To Bank loan A/c				30,000
	To Out Standing Expenses A/c				20,000
	To Capital A/c				2,00,000
	(Being recording of the opening balances of Assets, Liabilities and Capital)				
	Total			**4,00,000**	**4,00,000**

ख्याति = दायित्वों का योग – सम्पत्तियों का योग

Goodwill = Total Liabilities – Total Assets

Total liabilities = Creditors + Bank loan + OutStanding Expenses + Capital

Total liabilities = 1,50,000 + 30,000 + 20,000 + 2,00,000

Total liabilities = 4,00,000

Total Assets = Cash + furniture + Building + Debtors + Stock

Total Assets = 20,000 + 50,000 + 1,50,000 + 80,000 + 50,000

Total Assets = 3,50,000

Goodwill = 4,00,000 – 3,50,000

Goodwill = 50,000

ALSO READ: Concept of Goodwill

SHIVOM CLASSES 8696608541

यदि सम्पत्तियों का योग अधिक हो और दायित्वों का योग कम हो और पूँजी ज्ञात हो तो अन्तर की राशि पूँजी संचय कहलाती है-

3. For Example- The various balances of JSMR ltd on 1st April 2021 were as follows

Debt Balance : Cash Rs. 20,000 furniture Rs. 50,000 Building Rs. 1,50,000 &

Debtors Rs. 80,000, Stock Rs 50,000 ,Bills Receivable Rs. 20,000, Investment Rs. 50,000 Plant and Machinery Rs. 1,00,000.

Credit Balance : Creditors Rs. 1,50,000, Bank loan Rs. 30,000, Capital Rs. 2,00,000

Out standing Expenses Rs. 20,000 Pass Opening Entry.

Opening Journal Entry

Date	Particulars		L.F.	Amount (Debit)	Amount (Credit)
2021				₹	₹
April 1	Cash A/c	Dr.		20,000	
	Furniture A/c	Dr.		50,000	
	Building A/c	Dr.		1,50,000	
	Debtors A/c	Dr.		80,000	
	Stock A/c	Dr.		50,000	
	Bills Receivable A/c	Dr.		*20,000*	
	Investment A/c	Dr.		*50,000*	
	Plant and Machinery A/c	Dr.		1,00,000	
	To Creditors A/c				1,50,000
	To Bank loan A/c				30,000
	To Out Standing Expenses A/c				20,000
	To Capital A/c				2,00,000
	To Capital Reserve A/c				*1,20,000*
	(Being recording of the opening balances of Assets, Liabilities and Capital)				
	Total			**5,20,000**	**5,20,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पूँजीसंचय = सम्पत्तियों का योग -दायित्वों का योग

Capital Reserve = Total Assets – Total liabilities

Total Assets = Cash + furniture + Building + Debtors + Stock + Bills Receivable + Investment + Plant and Machinery

Total Assets = 20,000 + 50,000 + 1,50,000 + 80,000 + 50,000 + 20,000 + 50,000 + 1,00,000

Total Assets = 5,20,000

Total liabilities = Creditors + Bank loan + OutStanding Expenses + Capital

Total liabilities = 1,50,000 + 30,000 + 2,00,000 + 20,000

Total liabilities = 4,00,000

Capital Reserve = 5,20,000 – 4,00,000

Capital Reserve = 1,20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 94 - 104)

प्रश्न 1 लेखांकन प्रक्रिया के तीन आधारभूत चरण कौन-से हैं?

उत्तर – लेखांकन प्रक्रिया के तीन आधारभूत चरण निम्नलिखित हैं:

- लेन-देनों का लेखा करना,
- वर्गीकरण एवं खतौनी,
- अन्तिम खाते बनाना।

प्रश्न 2 स्रोत प्रलेखों द्वारा दिए गए साक्ष्यों को लेखांकन में क्यों महत्वपूर्ण माना जाता है?

उत्तर – व्यापार का विस्तृत क्षेत्र होने के कारण पूरे व्यवहार याद नहीं रखे जा सकते। इसलिए व्यवहार को पहले प्रारम्भिक लेखा पुस्तकों में लिखा जाता है। बाद में लेखांकन नियमानुसार खाते में डेबिट अथवा क्रेडिट किये जाते हैं। लेखांकन के संबंध में चरितार्थ है कि "पहले लिख पीछे दे भूल पड़े तो कागज से ले।" अर्थात् व्यवसाय में कोई भी सौदा होने पर उसे तुरन्त कच्ची पर्ची पर लिख लेना चाहिए, जिससे बाद में दुबारा देखते समय कोई परेशानी न हो।

प्रश्न 3 एक लेन-देन को पहले रोजनामचे में प्रविष्ट करना चाहिए अथवा खाताबही में? अपने उत्तर का कारण बताएँ।

उत्तर – एक लेन-देन को सर्वप्रथम रोजनामचे में लिखा जाना चाहिए उसके बाद खाताबही में, क्योंकि लेखांकन का प्रथम चरण रोजनामचा में लेखा करना है। व्यापार में सौदा होने पर तुरन्त जर्नल में प्रविष्ट कर दिया जाता है फिर व्यापारी अथवा लेखाकार अपनी सुविधानुसार खाताबही में प्रत्येक व्यवहार की तिथिवार एवं मदवार खतौनी करता है तथा रोजनामचा का कार्य पूर्ण करता है।

प्रश्न 4 रोजनामचे की प्रविष्टि में किसे पहले लिखा जाता है नाम को अथवा जमा को? क्या नाम व जमा का दोहरा लेखा किया जाता है?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – रोजनामचे में प्रविष्टि करते समय सर्वप्रथम नाम (डेबिट) को लिखा जाता है फिर जमा (क्रेडिट) को लिखा जाता है। जर्नल में सर्वप्रथम नाम को दर्शाया जाता है बाद में फिर जमा पक्ष को दर्शाया जाता है क्योंकि एक व्यवहार जितनी राशि से नाम किया जाता है दूसरा व्यवहार भी उतनी ही राशि से जमा किया जाता है। अतः रोजनामचे के नाम तथा जमा दोनों पक्षों का योग भी बराबर आता है।

प्रश्न 5 लेखांकन की कुछ प्रणालियों को द्विअंकन लेखा प्रणाली क्यों कहते हैं?

उत्तर – व्यवसाय का प्रत्येक व्यवहार अथवा घटना एक से ज्यादा खातों को प्रभावित करते हैं इसलिए एक खाते को डेबिट व दूसरे खाते को क्रेडिट किया जाता है। द्वि-अंकन लेखा प्रणाली में प्रत्येक व्यवहार को दोनों पक्षों नाम तथा जमा में लिखा जाता है। इसलिए प्रत्येक लेन-देन कम से कम दो पक्षों को प्रभावित करता है तथा साथ ही ऐसे व्यवहारों से दो खाते भी प्रभावित होते हैं। इसीलिए लेखांकन की कुछ प्रणालियों को द्विअंकन लेखा प्रणाली कहते हैं।

प्रश्न 6 खाते का नमूना बनाइये।

उत्तर –

खाते का नमूना

Dr. **खाते का नाम.............** Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹

प्रश्न 7 देयताओं व पूँजी खातों के नाम व जमा के नियम एक जैसे क्यों हैं?

उत्तर – देयताएँ व्यापार का दायित्व होती हैं तथा पूँजी खाता भी व्यापार का दायित्व होता है। पूँजी व्यापार के स्वामी को चुकानी होती है। देयताओं तथा पूँजी खाता दोनों का ही जमा शेष होता है। दोनों में वृद्धि जमा पक्ष में एवं कमी नाम पक्ष में लिखी जाती है इसलिए दोनों के ही जमा व नाम के नियम एक जैसे हैं।

प्रश्न 8 खातों में प्रविष्टि करते समय रोजनामचा पृष्ठ संख्या लिखने का क्या औचित्य है?

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – रोजनामचा पृष्ठ संख्या यह बताता है कि किस खतौनी की जर्नल प्रविष्टि रोजनामचा के किस पृष्ठ पर की गई है। सौदों का मिलान करते समय व्यापारी रोजनामचा पृष्ठ संख्या की सहायता से शीघ्र ही संबंधित रोजनामचाख सकता है तथा कोई गलती अथवा भल-चक रह जाने पर उसे तुरन्त ठीक किया जा सकता है।

प्रश्न 9 (1) आगम वृद्धि, (2) व्यय में कमी, (3) आहरण के अभिलेखन, (4) व्यवसाय में स्वामी द्वारा नई पूँजी के निवेश पर आप क्या प्रविष्टि (डेबिट अथवा क्रेडिट) करेंगे?

उत्तर –

1. आगम वृद्धि होने पर उसे जमा (Credit) करेंगे।
2. व्यय में कमी होने पर उसे जमा (Credit) करेंगे।
3. आहरण के अभिलेखन के लिए नाम (Debit) करेंगे।
4. स्वामी द्वारा नई पूँजी के निवेश पर जमा (Credit) करेंगे।

प्रश्न 10 यदि किसी सौदे के प्रभावस्वरूप परिसंपत्तियों में कमी आई है, तो उसका लेखन परिसंपत्तियों के नाम पक्ष में होगा अथवा जमा पक्ष में? यदि सौदे के प्रभावस्वरूप देयताओं में कमी आई है तो इसकी प्रविष्टि लेनदार के खाते में नाम में होगी अथवा जमा में?

उत्तर – यदि किसी सौदे के परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों में कमी आई है तो उसका लेखा परिसंपत्ति खाते के जमा पक्ष में किया जाएगा और यदि ऐसे सौदे के प्रभावस्वरूप देयताओं में कमी आई है तो इसकी प्रविष्टि लेनदार के खाते में नाम पक्ष में लिखी जाएगी।

निबंधात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 लेखांकन तंत्र की विभिन्न घटनाओं का वर्णन करते हुए इसमें स्त्रोत प्रलेखों के महत्व को उद्धृत कीजिए।

उत्तर – लेखांकन में घटना से तात्पर्य वित्तीय व्यवहारों से है। व्यापार में प्रतिदिन ऐसे व्यवहार होते हैं जब माल का क्रय, विक्रय, नकद प्राप्तियाँ, भुगतान आदि किए जाते हैं। इन पूरे व्यवहारों को व्यापारी द्वारा याद नहीं रखा जा सकता है अतः सर्वप्रथम रोज के व्यवहार रोजनामचे में लिख लिए

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जाते हैं। बाद में व्यापारी अपनी सुविधानुसार इनकी खाता बही में खतौनी करके खताता रहता है। खाता बही में बीजक, नकद की रसीद, चैक, बिल नं. आदि के द्वारा लेखांकन किया जाता है।

व्यापार में घटना के घटित होते ही व्यापारी सर्वप्रथम उसका लेखा प्रारम्भिक पुस्तक (जर्नल/रोजनामचा) में करता है। एक निश्चित अवधि के पश्चात् व्यवहारों का पृथक्-पृथक् वर्गीकरण किया जाता है। खाताबही में खाते खोलकर खतौनी की जाती है फिर सुविधानुसार सभी खातों का अन्तिम शेष ज्ञात किया जाता है। किसी भी खाते का नाम अथवा जमा कोई सा भी शेष हो सकता है।

लेखांकन प्रणाली के अनुसार प्रत्येक घटना नाम तथा जमा पक्ष के साथ संबंधित खाते को भी प्रभावित करती है। लेखांकन सिद्धान्तों एवं नियमानुसार एक खाता नाम तो दूसरा खाता जमा किया जाता है तथा इसकी सहायता से प्रारम्भिक रोजनामचा तैयार किया जाता है। स्त्रोत प्रलेखों का महत्व कोई प्रलेख जो किसी सौदे को प्रामाणिकता प्रदान करता है, 'स्त्रोत प्रलेख' कहलाता है। लेखांकन तंत्र की विभिन्न घटनाओं में स्त्रोत प्रलेखों का बहुत महत्व है। स्त्रोत प्रलेखों के आधार पर ही विभिन्न वित्तीय व्यवहारों का लेखा किया जाता है। विभिन्न लेखों को स्त्रोत प्रलेखों द्वारा ही प्रमाणित किया जाता है। ये वित्तीय व्यवहार को प्रामाणिकता प्रदान करते हैं।

प्रश्न 2 विस्तारपूर्वक समझाइये कि लेन-देनों के विश्लेषण में नाम व जमा का उपयोग किस प्रकार होता:

उत्तर – प्रत्येक व्यापारिक लेन-देन को दोहरा लेखा प्रणाली के नियमानुसार नाम व जमा किया जाता है। इसके लिए निम्नलिखित नियम हैं:

1. पूँजी: पूँजी में वृद्धि होने पर जमा तथा कमी होने पर नाम करते हैं।
2. देयताएँ: वृद्धि होने पर जमा तथा कमी होने पर नाम करते हैं।
3. हानि/खर्चे वृद्धि होने पर नाम तथा कमी होने पर जमा करते हैं।
4. आय/लाभ-वृद्धि होने पर जमा तथा कमी होने पर नाम करते हैं।
5. सम्पत्तियाँ-सम्पत्तियों में वृद्धि होने पर नाम तथा विपरीत स्थिति में जमा किया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व्यापारिक व्यवहार को नाम तथा जमा में एक समान राशि से लिखा जाता है। यह दोहरा लेखा प्रणाली का सिद्धान्त है कि यदि एक खाता किसी राशि से नाम किया जाता है तो दूसरा संबंधित खाता भी उतनी ही समान राशि से जमा किया जाता है। नाम तथा जमा का उपयोग आगे जाकर खाताबही में खतौनी करते समय विपरीत पक्ष में दर्शाया जाता है।

प्रश्न 3 वर्णन कीजिए कि विभिन्न लेन-देनों से उपलब्ध सूचनाओं का विभिन्न खातों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

उत्तर – व्यापार के प्रत्येक व्यवहार अथवा लेन-देन से संबंधित खाता भी प्रभावित होता है।

इसे हम निम्न प्रकार समझ सकते हैं:

लेन-देनों को अभिलिखित करने की दृष्टि से सभी खातों को निम्न पाँच भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. सम्पत्ति खाते ये खाते मूर्त एवं अमूर्त सम्पत्तियों से सम्बन्धित होते हैं। जैसे - मशीनरी खाता, फर्नीचर खाता, रोकड़ खाता, ख्याति खाता, भूमि एवं भवन खाता आदि। सम्पत्ति में वृद्धि होने पर इन खातों को नाम (Debit) किया जाता है, जबकि कमी होने पर इन्हें जमा (Credit) किया जाता है।

2. दायित्व खाते ये खाते बाहरी व्यक्तियों व संस्थाओं से सम्बन्धित होते हैं तथा व्यापार को साख व वित्त उपलब्ध करवाते हैं, जैसे-लेनदार, देय बिल, बैंक अधिविकर्ष, बैंक ऋण, ऋण-पत्र आदि। दायित्व में वृद्धि होने पर इन खातों को जमा (Credit) किया जाता है, जबकि कमी होने पर इन्हें नाम (Debit) किया जाता है।

3. पूँजी खाता यह खाता व्यापार के स्वामी से सम्बन्धित होता है। पूँजी में वृद्धि होने पर इस खाते को जमा करते हैं तथा कमी होने पर नाम करते हैं।

4. आय एवं लाभ खाते-ये खाते व्यापार की आय एवं लाभ से सम्बन्धित होते हैं, जैसे - विक्रय खाता, प्राप्त कमीशन खाता, प्राप्त बट्या खाता, प्राप्त लाभांश खाता, प्राप्त ब्याज खाता। आय एवं लाभ में वृद्धि होने पर इन खातों को जमा किया जाता है, जबकि आय एवं लाभ में कमी होने पर इन खातों को नाम किया जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

5. व्यय एवं हानि खाते-ये खाते व्यापार के व्यय एवं हानियों से सम्बन्धित होते हैं, जैसे - क्रय खाता, देय ब्याज खाता, वेतन, मजदूरी, किराया आदि। व्यय एवं हानियों में वृद्धि होने पर इन खातों को नाम (Debit) किया जाता है, जबकि इनमें कमी होने पर इन्हें जमा (Credit) किया जाता है।

प्रश्न 4 रोजनामचे से आप क्या समझते हैं? कम से कम पाँच प्रविष्टियों की सहायता से इसके प्रारूप का नमूना बनाइये।

उत्तर – **रोजनामचा:** रोजनामचा अथवा जर्नल प्रारम्भिक प्रविष्टि की मूल पुस्तक होती है। प्रत्येक व्यवहार के घटित होने पर व्यापारी सर्वप्रथम व्यवहार का लेखा रोजनामचा अथवा जर्नल में तिथिवार करता है, फिर सुविधानुसार खाताबही में खतौनी करता है। जर्नल लेखांकन की महत्वपूर्ण पुस्तक है।

Journal (रोजनामचा)

Date	Particulars		L.F.	Amount	
				Debit ₹	Credit ₹
2020					
01 April	Cash A/c	Dr.		3,00,000	
	To Capital A/c				3,00,000
	(Business started with cash)				
02 April	Purchases A/c	Dr.		1,50,000	
	To Cash A/c				1,50,000
	(Goods purchased for cash)				
03 April	Ramesh's A/c	Dr.		80,000	
	To Sales A/c				80,000
	(Goods sold to Ramesh)				
04 April	Furniture A/c	Dr.		25,000	
	To Cash A/c				25,000
	(Furniture purchased for cash)				
05 April	Commission A/c	Dr.		8,000	
	To Cash A/c				8,000
	(Commission paid in cash)				
		Total		5,63,000	5,63,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 5 स्रोत प्रलेखों व प्रमाणकों में अंतर कीजिए।

उत्तर – स्रोत प्रलेख व्यापारिक लेन-देन को विभिन्न प्रपत्रों की सहायता से दर्ज करते हैं। व्यवहार के अभिलेखन के लिए रोकड़ पर्ची, बीजक, विक्रय बिल, चैक, वेतन पर्ची आदि का उपयोग किया जाता है। ऐसे प्रलेख जो व्यवहार को प्रामाणिकता प्रदान करते हैं, स्रोत प्रलेख कहलाते हैं। प्रमाणक प्रमाणक प्रलेख का स्रोत कहलाता है। प्रलेखों पर व्यवस्थित नम्बर डालकर फाइल की जाती है। इन्हीं प्रमाणकों के द्वारा खाता बही में खतौनी करते हैं। इसका वर्गीकरण रोकड़ पर्ची, नाम प्रमाणक, जमा प्रमाणक व सामान्य प्रमाणक के तौर पर करते हैं।

स्रोत प्रलेख तथा प्रमाणक दोनों ही लेखांकन के महत्वपूर्ण तत्व हैं जो व्यापार में लेखांकन करने में अति सहायक सिद्ध होते हैं तथा जिनकी सहायता से दोहरा लेखा प्रणाली के खातों को पूर्ण किया जाता है तथा व्यापारिक निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

प्रश्न 6 सभी परिस्थितियों में लेखांकन समीकरण संतुलित रहता है। उदाहरण देकर समझाइये।

उत्तर – लेखांकन समीकरण दोहरा लेखा प्रणाली पर आधारित है। प्रत्येक व्यवहार का दोहरा लेखा किया जाता है। नाम व जमा में सामूहिक रूप से कहें तो सभी खातों के नाम पक्ष का योग शत प्रतिशत जमा पक्ष के बराबर होगा। इसके अनुसार व्यवसाय कुल परिसम्पत्तियों का योग सदैव उसकी देयताओं व स्वामी की पूँजी के योग के बराबर रहता है। जब इस सम्बन्ध को एक समीकरण का रूप दिया जाता है तो उसे लेखांकन समीकरण कहते हैं।

(A) परिसम्पत्तियाँ = (L) देयताएँ + पूँजी (C) इसी समीकरण को निम्न अन्य रूपों में भी प्रयोग किया जा सकता है:

परिसम्पत्तियाँ (A) -- देयताएँ (L) = पूँजी (C) परिसम्पत्तियाँ (A) - पूँजी (C) = देयताएँ (L) सभी परिस्थितियों में यह लेखांकन समीकरण सन्तुलित रहता है। यह निम्न उदाहरण से स्पष्ट है

उदाहरण:

रामू ने 6,00,000 ₹ की पूँजी से एक व्यवसाय इकाई प्रारम्भ किया। लेखांकन के दृष्टिकोण से व्यावसायिक इकाई के पास वित्तीय स्रोत के रूप में 6,00,000 ₹ की नकद रोकड़ उपलब्ध है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अर्थात् रामू जो कि व्यवसाय का स्वामी है उसकी पूँजी के रूप में व्यावसायिक इकाई के पास 6,00,000 ₹ के स्रोत उपलब्ध हैं।

यदि हम उपरोक्त तथ्य को समीकरण के रूप में लिखें तो निम्न प्रकार का चित्र उपस्थित होगा:

रामू की पुस्तकें वर्ष का तुलन-पत्र:

देयताएँ	राशि ₹	परिसम्पत्तियाँ	राशि ₹
पूँजी	6,00,000	नकद	6,00,000
	6,00,000		6,00,000

उपरोक्त तुलन-पत्र में परिसम्पत्तियों का कुल मूल्य कुल देयताओं के बराबर है क्योंकि अभी व्यवसाय आरम्भ ही हुआ है तथा उसकी व्यापारिक गतिविधियाँ अभी आरम्भ नहीं हुई हैं इसलिए उसने कोई लाभ भी नहीं कमाया है। इसी कारण व्यवसाय में निवेशित राशि भी ज्यों की त्यों 6,00,000 ₹ ही है। यदि कोई लाभ कमा लिया जाएगा तो यह निवेशित राशि बढ़ जाएगी। दूसरी ओर यदि व्यवसाय में हानि होगी तो यह निवेशित राशि घट जाएगी।

अब उक्त उदाहरण में हम निम्न लेन-देनों का विश्लेषण करते हुए लेखांकन समीकरण के विभिन्न घटकों पर इसके प्रभाव का अध्ययन करेंगे

(1) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में 4.80.000 ₹ से एक बैंक खाता खोला।

सौदे का विश्लेषण : इस लेन-देन से जहाँ एक ओर रोकड़ में 4,80,000 ₹ की कमी हुई वहाँ दूसरी

ओर बैंक खाता (अन्य परिसम्पत्ति) में 4,80,000 ₹ की वृद्धि हुई।

(2) व्यवसाय के लिए 60,000 ₹ मूल्य का फर्नीचर खरीदा व भुगतान के लिए चैक जारी किया।

सौदे का विश्लेषण : इस लेन-देन में फर्नीचर नामक परिसम्पत्ति में 60,000 ₹ की वृद्धि हुई तथा बैंक

खाते (सम्पत्ति) में उतनी ही राशि की कमी।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(3) मै: रामजी लाल से 10,000 ₹ की अग्रिम राशि का भुगतान कर 1,25,000 ₹ मूल्य का प्लाण्ट व मशीनरी

खरीदी। 55 सौदे का विश्लेषण : इस लेन-देन में 1,25,000 ₹ के प्लाण्ट व मशीनरी का मै. रामजी लाल से उधार क्रय किया गया है जिसके बदले में केवल 10,000 ₹ की अग्रिम राशि का भुगतान हुआ है। इस स्थिति में प्लाण्ट व मशीनरी (परिसम्पत्ति) में 1,25,000 ₹ की वृद्धि हुई है साथ ही रोकड़ में 10,000 ₹ की कमी तथा समीकरण में दूसरी ओर मै. रामजी लाल (देयता) नामक लेनदार की 1,15,000 ₹ की वृद्धि

(4) मै. सुमित ट्रेडर्स से 55,000 ₹ मूल्य का माल क्रय किया।

सौदे का विश्लेषण : इस लेन-देन से माल (परिसम्पत्ति) में 55,000 ₹ की वृद्धि हुई तथा मै. सुमित ट्रेडर्स (देयता) जो कि माल के पूर्तिकार हैं उनकी देय राशि में भी 55,000 ₹ की वृद्धि हुई।

(5) 25,000 ₹ मूल्य का माल रजनी एन्टरप्राइजेज को 35,000 ₹ में बेचा।

सौदे का विश्लेषण : माल का स्टॉक 25,000 ₹ से कम हो जाएगा व रजनी एन्टरप्राइजेज नामक देनदार (परिसम्पत्ति) में 35,000 ₹ की वृद्धि होगी तथा दूसरी ओर पूँजी में भी 10,000 ₹ की लाभ से वृद्धि होगी।

विभिन्न लेन-देनों के लेखांकन समीकरण पर प्रभाव को निम्न तालिका में दिखाया गया है:

सौदा सं.	रोकड़ ₹	बैंक ₹	परिसम्पत्तियाँ देनदार ₹	माल स्टॉक ₹	फर्नीचर ₹	प्लांट व मशीनरी ₹	कुल परिसम्पत्तियाँ ₹	देयताएँ + पूंजी ₹	₹	योग ₹
	6,00,000						6,00,000	....	6,00,000	6,00,000
1.	(4,80,000)	4,80,000					....		....	....
नया संतुलन	1,20,000	4,80,000					6,00,000		6,00,000	6,00,000
2.	....	(60,000)			60,000		....		....	....
नया संतुलन	1,20,000	4,20,000			60,000		6,00,000		6,00,000	6,00,000
3.	(10,000)					1,25,000	1,15,000	1,15,000		1,15,000
नया संतुलन	1,10,000	4,20,000			60,000	1,25,000	7,15,000	1,15,000	6,00,000	7,15,000
4.				55,000			55,000	55,000		55,000
नया संतुलन	1,10,000	4,20,000		55,000	60,000	1,25,000	7,70,000	1,70,000	6,00,000	7,70,000
5.			35,000	(25,000)			10,000		10,000	10,000
अंतिम संतुलन	1,10,000	4,20,000	35,000	30,000	60,000	1,25,000	7,80,000	1,70,000	6,10,000	7,80,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अन्तिम समीकरण को सारांश में निम्न तुलन-पत्र के रूप में भी दर्शाया जा सकता है:

देयताएँ	राशि ₹	परिसम्पत्तियाँ	राशि ₹
बाह्य दावेदारियाँ (लेनदार)	1,70,000	रोकड़	1,10,000
पूँजी	6,10,000	बैंक	4,20,000
		देनदार	35,000
		माल	30,000
		फर्नीचर	60,000
		प्लांट व मशीनरी	1,25,000
	7,80,000		7,80,000

लंखाकन समीकरण के रूप में उपरोक्त सूचना का प्रस्तुतिकरण इस प्रकार होगा। अथात्

परिसम्पत्तियाँ = देयताएँ + पूँजी

7,80,000 ₹ = 1,70,000 ₹ + 6,10,000 ₹

प्रश्न 7 उदाहरण देकर द्विअंकन की तकनीक की विवेचना कीजिए।

उत्तर – दोहरा लेखा प्रणाली इस अवधारणा पर आधारित है कि प्रत्येक व्यापारिक व्यवहार अथवा लेन-देन के दो पक्ष होते हैं तथा सामान्यतः दो खाते प्रभावित होते हैं। एक खाता नाम पक्ष में तथा दूसरा अन्य खाता जमा पक्ष में लिखा जाता है।

दोहरा लेखा प्रणाली पूर्णतः वैज्ञानिक एवं सैद्धान्तिक पद्धति है। व्यापार के प्रत्येक पक्ष का व्यवहारगत परिवर्तन किया जाता है तथा दोनों पक्षों में दर्शाया जाता है। सभी प्रकार के खातों में नियमानुसार प्रविष्टियाँ की जाती हैं। नाम पक्ष सामान्यतः सम्पत्ति एवं खर्च को प्रदर्शित करता है तथा क्रेडिट पक्ष दायित्व एवं आय को प्रदर्शित करता है।

उदाहरण:

1. फर्नीचर खरीदा 50,000 रुपये। उपर्युक्त व्यवहार को दोहरा लेखा प्रणाली के नियमानुसार दर्ज करने पर फर्नीचर का खाता नाम तथा रोकड़/नकद का खाता जमा किया जाएगा।
2. मशीन बेची 20,000 रुपये। इस व्यवहार के दर्ज करने पर मशीन का खाता जमा तथा नकद का खाता नाम किया जाएगा।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आंकिक प्रश्न:

प्रश्न 1 निम्न लेन-देनों के आधार पर लेखांकन समीकरण बनाइये:

(क) हर्ष ने.रोकड़ का निवेश कर व्यवसाय प्रारंभ किया 2,00,000 ₹

(ख) नमन से रोकड़ देकर माल खरीदा 40,000 ₹

(ग) 10,000 ₹ मूल्य की वस्तुएं भानु को बेची 12,000 ₹

(घ) उधार फर्नीचर खरीदा। 7,000 ₹

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा:

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ (Assets)				देयताएँ + पूँजी L + C	
	रोकड़ Cash	देनदार Debtors	स्टॉक Stock	फर्नीचर Furniture	दायित्व Liabilities	पूँजी Capital
(क) रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash)	2,00,000					2,00,000
	2,00,000					2,00,000
(ख) नमन से रोकड़ माल खरीदा (Purchase goods from Naman for Cash)	−40,000		+40,000			
	1,60,000		40,000			2,00,000
(ग) 10,000 रु. मूल्य की वस्तुएं भानु को बेचीं 12,000 रु. में (Sold goods to Bhanu costing Rs. 10,000 for Rs. 12,000)		12,000	−10,000			2,000
	1,60,000	12,000	30,000			2,02,000
(घ) उधार फर्नीचर खरीदा (Furniture purchased on Credit)				7,000	7,000	
योग	1,60,000	12,000	30,000	7,000	7,000	2,02,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Capital	2,02,000	Cash	1,60,000
Creditors	7,000	Debtors	12,000
		Stock	30,000
		Furniture	7,000
	2,09,000		2,09,000

प्रश्न 2

लेखांकन समीकरण बनाइये:

(क) कुणाल ने 2,50,000 ₹ नकद निवेश कर व्यापार आरंभ किया।

(ख) नकद फर्नीचर खरीदा 35,000 ₹

(ग) नकद कमीशन का भुगतान किया 2,000 ₹

(घ) उधार माल खरीदा 40,000 ₹

(ङ) 20,000 ₹ मूल्य की वस्तुएं नकद बेची 26,000 ₹ में

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	फर्नीचर Furniture	देयताएँ + पूँजी लेनदार Creditors	पूँजी Capital
(क) कुणाल ने 2,50,000 रु. नकद निवेश कर व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash)	2,50,000				2,50,000
	2,50,000				2,50,000
(ख) नकद फर्नीचर खरीदा = 35,000 (Purchased furniture with Cash)	–35,000		35,000		
	2,15,000		35,000		2,50,000
(ग) नकद कमीशन का भुगतान किया (Paid commission in Cash)	–2,000				–2,000
	2,13,000		35,000		2,48,000
(घ) उधार माल खरीदा = 40,000 (Purchased goods on Credit)		40,000		40,000	
	2,13,000	40,000	35,000	40,000	2,48,000
(ङ) 20,000 रु. मूल्य की वस्तुएं नकद बेचीं 26,000 रु. में	26,000	–20,000			+6,000
योग	2,39,000	20,000	35,000	40,000	2,54,000

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Capital	2,54,000	Cash	2,39,000
Creditors	40,000	Stock	20,000
		Furniture	35,000
	2,94,000		2,94,000

प्रश्न 3 मोहित के निम्नलिखित लेन-देनों को लेखांकन समीकरण में दिखाइये:

(i) नकद से व्यापार आरंभ किया रुपये	₹ 1.75,000
(ii) रोहित से माल खरीदा	₹ 50,000
(iii) मनीष को उधार बिक्री (लागत मूल्य 17,500)	₹ 20,000
(iv) कार्यालय में प्रयोग के लिए फर्नीचर खरीदा	₹10,000

SHIVOM CLASSES 8696608541
SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(v) रोहित को पूर्ण भुगतान नकद दिया	₹ 48,500
(vi) मनीष से रोकड़ प्राप्त किया	₹ 20,000
(vii) किराया दिया	₹ 1,000
(viii) आहरण	₹ 3,000

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा :

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ				देयताएँ + पूँजी	
	रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	देनदार Debtors	फर्नीचर Furniture	लेनदार Creditors	पूँजी Capital
(i) 1,75,000 रु. नकद से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash ₹ 1,75,000)	1,75,000					1,75,000
	1,75,000					1,75,000
(ii) रोहित से माल खरीदा (Goods purchased from Rohit) 50,000		50,000			50,000	
	1,75,000	50,000			50,000	1,75,000
(iii) मनीष को उधार विक्रय (लागत मूल्य 17,500) (Goods sold to Manish (cost price 17,500) 20,000		–17,500	20,000			2,500
	1,75,000	32,500	20,000		50,000	1,77,500
(iv) कार्यालय प्रयोग के लिए फर्नीचर खरीदा 10,000 (Purchased furniture for office use) 10,000	–10,000			10,000		
	1,65,000	32,500	20,000	10,000	50,000	1,77,500
(v) रोहित को पूर्ण भुगतान नकद दिया 48,500 (Cash paid to Rohit in full settlement) 48,500	–48,500				–50,000	+1,500
	1,16,500	32,500	20,000	10,000	—	1,79,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(vii) किराया चुकाया (Rent paid)	–1,000					–1,000
	1,35,500	32,500	–	10,000	–	1,78,000
(viii) आहरण 3,000 Cash withdrew for Personal use 3,000	–3,000					–3,000
योग	1,32,500	32,500	–	10,000	–	1,75,000

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Capital	1,75,000	Cash	1,32,500
		Stock	32,500
		Debtors	—
		Furniture	10,000
	1,75,000		1,75,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 4 रोहित के निम्नलिखित व्यावसायिक लेन-देन थे:

(i) रोकड़ धनराशि से व्यवसाय आरम्भ किया	₹ 1,50,000
(ii) उधार पर मशीनरी खरीदी	₹40,000
(iii) नकद पर माल खरीदा	₹20,000
(iv) व्यक्तिगत उपयोग के लिए कार खरीदी	₹80,000
(v) लेनदारों को पूर्ण भुगतान	₹38,000
(vi) 5,000 ₹ के माल की नकद बिक्री	₹ 4,500
(vii) किराये का भुगतान	₹1,000
(viii) अग्रिम कमीशन की प्राप्ति	₹2,000

परिसंपत्तियों, देयताओं और पूँजी पर उपर्युक्त लेन-देनों के प्रभाव को दर्शाते हुए लेखांकन समीकरण तैयार देयताएँ करें।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) अग्र प्रकार बनेगा:

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ				देयताएँ + पूँजी	
	रोकड़ Cash	मशीनरी Machinery	स्टॉक Stock	देनदार Debtors	लेनदार Creditors	पूँजी Capital
(i) रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash)	1,50,000					1,50,000
	1,50,000					1,50,000
(ii) मशीनरी उधार खरीदी (Machinery purchased on Credit)		40,000			40,000	
	1,50,000	40,000			40,000	1,50,000
(iii) नकद पर माल खरीदा (Purchased goods on Cash)	–20,000		20,000			
	1,30,000	40,000	20,000		40,000	1,50,000
(iv) व्यक्तिगत प्रयोग के लिए कार खरीदी (Purchased car for Personal use)	–80,000					–80,000
	50,000	40,000	20,000		40,000	70,000
(v) लेनदारों को पूर्ण भुगतान (Paid to Creditors in full settlement)	–38,000				–40,000	2,000
	12,000	40,000	20,000		—	72,000
(vi) नकद बिक्री (लागत मूल्य 5,000) [Sold goods (Cost Price 5,000)]	4,500		–5,000			–500
	16,500	40,000	15,000			71,500
(vii) किराये का भुगतान (Paid Rent)	–1,000					–1,000
	15,500	40,000	15,000			70,500
(viii) अग्रिम कमीशन की प्राप्ति (Commission received in Advance)	2,000				2,000	
योग	17,500	40,000	15,000		2,000	70,500

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Capital	70,500	Cash	17,500
Commission received in Advance	2,000	Machinery	40,000
		Stock	15,000
	72,500		72,500

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 5 मै. रॉयल ट्रेडर्स के निम्नलिखित लेन-देनों के प्रभावों को दर्शाएँ:

(i) नकद धन राशि से व्यवसाय आरंभ	1,20,000
(ii) नकद माल खरीदा	10,000
(iii) प्राप्त किराया	5,000
(iv) बकाया वेतन	2,000
(v) पूर्वदत्त बीमा	1,000
(vi) ब्याज प्राप्त	700
(vii) माल का नकद विक्रय (लागत 5,000 रुपये)	7,000
(viii) आग से माल नष्ट	500

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	पूर्वदत्त बीमा Prepaid Ins.	देयताएँ + पूँजी लेनदार Creditors	पूँजी Capital
(i) व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash)	1,20,000				1,20,000
	1,20,000				1,20,000
(ii) नकद माल खरीदा (Goods Purchased)	–10,000	10,000			
	1,10,000	10,000			1,20,000
(iii) प्राप्त किराया (Rent Received)	5,000				5,000
	1,15,000	10,000			1,25,000
(iv) बकाया वेतन (Outstanding Salary)				2,000	–2,000
	1,15,000	10,000		2,000	1,23,000
(v) पूर्वदत्त बीमा (Prepaid Insurance)			1,000		1,000
	1,15,000	10,000	1,000	2,000	1,24,000
(vi) ब्याज प्राप्त किया (Interest Received)	700				700
	1,15,700	10,000	1,000	2,000	1,24,700
(vii) माल का नकद विक्रय (लागत 5,000) (Goods sold for Cash) (Cost 5,000)	7,000	–5,000			2,000
	1,22,700	5,000	1,000	2,000	1,26,700
(viii) आग से माल नष्ट (Goods destroyed by fire)		–500			–500
योग	1,22,700	4,500	1,000	2,000	1,26,200

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
O/S Salary	2,000	Cash	1,22,700
Capital	1,26,200	Stock	4,500
		Prepaid Insurance	1,000
	1,28,200		1,28,200

प्रश्न 6 निम्नलिखित सौदों के आधार पर लेखांकन समीकरण तैयार कीजिए:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) उदित ने व्यवसाय की शुरुआत इस प्रकार की: (अ) रोकड़ (ब) माल	**रुपये** 5,00,000 1,00,000
(ii) नकद पर भवन का क्रय	2,00,000
(iii) हिमानी से माल खरीदा	50,000
(iv) आशु को माल बेचा (लागत 25,000 रुपये)	36,000
(v) बीमा किस्त का भुगतान	3,000
(vi) बकाया किराया	5,000
(vii) भवन पर ह्रास	8,000
(viii) व्यक्तिगत उपयोग के लिए आहरण	20,000
(ix) अग्रिम किराये की प्राप्ति	5,000
(x) हिमानी को नकद भुगतान	20,000
(xi) आशु से नकद प्राप्ति	30,000

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) अग्र प्रकार बनेगा : परिसम्पत्तियाँ

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ				देयताएँ + पूँजी			
	रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	देनदार Debtors	भवन Building	लेनदार Creditors	अदत्त व्यय O/s Exp.	अग्रिम आय Adv. Income	पूँजी Capital
(i) रोकड़ तथा माल से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash & Stock)	5,00,000	1,00,000						6,00,000
	5,00,000	1,00,000						6,00,000
(ii) नकद पर भवन का क्रय (Purchase Building for Cash)	–2,00,000			2,00,000				
	3,00,000	1,00,000		2,00,000				6,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iii) हिमानी से माल खरीदा (Goods Purchased from Himani)		50,000			50,000			
	3,00,000	1,50,000		2,00,000	50,000			6,00,000
(iv) आशु को माल बेचा (लागत मूल्य 25,000) [Sold goods to Ashu (Cost ₹ 25,000)]		–25,000	36,000					11,000
	3,00,000	1,25,000	36,000	2,00,000	50,000			6,11,000
(v) बीमा किस्त का भुगतान (Paid Insurance Premium)	–3,000							–3,000
	2,97,000	1,25,000	36,000	2,00,000	50,000			6,08,000
(vi) बकाया किराया (O/s Rent)						5,000		–5,000
	2,97,000	1,25,000	36,000	2,00,000	50,000	5,000		6,03,000
(vii) भवन पर ह्रास (Dep. on Building)				–8,000				–8,000
	2,97,000	1,25,000	36,000	1,92,000	50,000	5,000		5,95,000
(viii) व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ निकाली (Cash withdrawn for Personal use)	–20,000							–20,000
	2,77,000	1,25,000	36,000	1,92,000	50,000	5,000		5,75,000
(ix) अग्रिम किराये की प्राप्ति (Rent received in Adv.)	5,000						5,000	
	2,82,000	1,25,000	36,000	1,92,000	50,000	5,000	5,000	5,75,000
(x) हिंमानी को नकद भुगतान (Cash paid to Himani)	–20,000				–20,000			
	2,62,000	1,25,000	36,000	1,92,000	30,000	5,000	5,000	5,75,000
(xi) आशु से नकद प्राप्त किया (Cash received from Ashu)	30,000		–30,000					
योग	2,92,000	1,25,000	6,000	1,92,000	30,000	5,000	5,000	5,75,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

स्थिति विवरण.........
Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Creditors	30,000	Cash	2,92,000
Outstanding Exp.	5,000	Debtors	6,000
Adv. Income (Rent)	5,000	Stock	1,25,000
Capital	5,75,000	Building	1,92,000
	6,15,000		6,15,000

प्रश्न 7 लेखांकन समीकरण के माध्यम से निम्नलिखित सौदों का प्रभाव परिसंपत्तियों, देयताओं एवं पूँजी पर दिखाएँ:

(i) रोकड़ धनराशि से व्यवसाय आरंभ किया	1,20,000
(ii) किराए की प्राप्ति	10,000
(iii) अंशों में निवेशित धन	50,000
(iv) लाभांश प्राप्ति	5,000
(v) रागनी से उधार क्रय	35,000
(vi) घरेलू व्ययों के लिए नकद भुगतान	7,000
(vii) नकद माल विक्रय (लागत 10,000 ₹)	14,000
(viii) रागनी को नकद भुगतान किया	35,000
(ix) बैंक में जमा किया	20,000

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा :

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ				देयताएँ + पूँजी	
	रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	विनियोग Investment	बैंक Bank	लेनदार Creditors	पूँजी Capital
(i) नकद से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash)	1,20,000					1,20,000
	1,20,000					1,20,000
(ii) किराए की प्राप्ति (Rent Received)	10,000					10,000
	1,30,000					1,30,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

(iii) अंशों में निवेश (Investment in Shares)	–50,000		50,000			
	80,000		50,000			1,30,000
(iv) लाभांश प्राप्ति (Received Dividend)	5,000					5,000
	85,000		50,000			1,35,000
(v) रागनी से उधार क्रय (Purchased debts from Ragani)		35,000			35,000	
	85,000	35,000	50,000		35,000	1,35,000
(vi) घरेलू व्ययों के लिए नकद भुगतान (Paid Cash for House-hold Exp.)	–7,000					–7,000
	78,000	35,000	50,000		35,000	1,28,000
(vii) नकद माल बेचा (लागत 10,000 रु.) (Sold goods for Cash (Costing ₹ 10,000))	14,000	–10,000				4,000
	92,000	25,000	50,000		35,000	1,32,000
(viii) रागनी को नकद भुगतान (Paid Cash to Ragani)	–35,000				–35,000	
	57,000	25,000	50,000		—	1,32,000
(ix) बैंक में जमा कराया (Deposited into Bank)	–20,000			20,000		
योग	37,000	25,000	50,000	20,000	—	1,32,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Capital	1,32,000	Cash	37,000
		Investment	50,000
		Stock	25,000
		Bank	20,000
	1,32,000		1,32,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 8 निम्नलिखित सौदों के प्रभावों को लेखांकन समीकरण में दर्शाइए:

(i) मनोज ने व्यवसाय की शुरुआत इस प्रकार की: (अ) रोकड़ (ब) माल (स) भवन	 2,30,000 1,00,000 2,00,000
(ii) उसने नकद भुगतान पर माल खरीदा	10,000
(iii) उसने माल विक्रय किया (लागत मूल्य 20,000 रुपये)	50,000
(iv) उसने राहुल से माल क्रय किया	5,000
(v) उसने वरुण को माल बेचा (लागत मूल्य 52,000 रुपये)	35,000
(vi) उसने राहुल को पूर्ण नकद भुगतान किया	7,000
(vii) उसके द्वारा वेतन का भुगतान	14,000
(viii) वरुण से नकद पूर्ण भुगतान की प्राप्ति	35,000
(ix) बकाया किराया	20,000
(x) पूर्वदत्त बीमा	
(xi) उसके द्वारा प्राप्त कमीशन	
(xii) व्यक्तिगत उपयोग के लिए आहरित राशि	
(xiii) भवन पर ह्रास	
(xiv) नई पूँजी निवेश	
(xv) राखी से माल खरीदा	

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा :

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ				देयताएँ + पूँजी		
	रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	भवन Building	देनदार Debtors	लेनदार Creditors	बकाया व्यय O/s Exp.	पूँजी Capital
(i) व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash, Goods, Building)	2,30,000	1,00,000	2,00,000				5,30,000
	2,30,000	1,00,000	2,00,000				5,30,000
(ii) उसने नकद भुगतान पर माल खरीदा (Purchased goods for Cash)	–50,000	50,000					
	1,80,000	1,50,000	2,00,000				5,30,000
(iii) माल का विक्रय (लागत 20,000 रु.) [Goods sold (Costing Rs. 20,000)]	35,000	–20,000					15,000
	2,15,000	1,30,000	2,00,000				5,45,000
(iv) राहुल से माल खरीदा (Goods purchased from Rahul)		55,000			55,000		
	2,15,000	1,85,000	2,00,000		55,000		5,45,000
(v) उसने वरुण को माल बेचा (लागत 52,000) He sold goods to Varun (Cost 52,000)		–52,000		60,000			8,000
	2,15,000	1,33,000	2,00,000	60,000	55,000		5,53,000
(vi) उसने राहुल को पूर्ण भुगतान किया (Paid cash to Rahul in full settlement)	–53,000				–55,000		2,000
	1,62,000	1,33,000	2,00,000	60,000	—		5,55,000
(vii) वेतन चुकाया (Paid Salary)	–20,000						–20,000
	1,42,000	1,33,000	2,00,000	60,000	—		5,35,000
(viii) वरुण से पूर्ण भुगतान में प्राप्त हुए (Received cash from Varun in full settlement)	59,000			–60,000			–1,000
	2,01,000	1,33,000	2,00,000				5,34,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

(x) पूर्वदत्त बीमा (Prepaid Insurance)				2,000			2,000
	2,01,000	1,33,000	2,00,000	2,000		3,000	5,33,000
(xi) कमीशन प्राप्त किया (Commission received)	13,000						13,000
	2,14,000	1,33,000	2,00,000	2,000		3,000	5,46,000
(xii) व्यक्तिगत प्रयोग के लिए राशि निकाली (Withdrawn cash for personal use)	–20,000						–20,000
	1,94,000	1,33,000	2,00,000	2,000		3,000	5,26,000
(xiii) भवन पर ह्रास (Dep. on Building)			–10,000				–10,000
	1,94,000	1,33,000	1,90,000	2,000		3,000	5,16,000
(xiv) नई पूँजी निवेश (Fresh Capital Invested)	50,000						50,000
	2,44,000	1,33,000	1,90,000	2,000		3,000	5,66,000
(xv) राखी से माल खरीदा (Purchased goods from Rakhi)		10,000			10,000		
योग	2,44,000	1,43,000	1,90,000	2,000	10,000	3,000	5,66,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Creditors	10,000	Cash	2,44,000
Outstanding Rent	3,000	Stock	1,43,000
Capital	5,66,000	Building	1,90,000
		Prepaid Insurance	2,000
	5,79,000		5,79,000

प्रश्न 9 मै. विपिन ट्रेडर्स के सौदे निम्नलिखित हैं लेखांकन समीकरण की सहायता से सौदों का प्रभाव परिसंपत्तियों, देयताओं एवं पूँजी पर दिखाएँ।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) रोकड़ धनराशि से व्यवसाय आरम्भ किया	1,25,000
(ii) नकद पर माल खरीदा	50,000
(iii) आर.के. फीचर से फर्नीचर खरीदा	10,000
(iv) पारुल ट्रेडर को माल विक्रय किया (बिल नं. 5674 के - अनुसार लागत मूल्य 7,000 रुपये)	9,000
(v) ढुलाई का भुगतान	100
(vi) आर.के. फर्नीचर को रोकड़ का पूर्ण भुगतान	9,700
(vii) नकद विक्रय (लागत मूल्य 10,000 रुपये)	12,000
(viii) किराया प्राप्ति	4,000
(ix) व्यक्तिगत उपयोग के लिए आहरित नकद आहरण	3,000

उत्तर – लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	परिसम्पत्तियाँ				देयताएँ + पूँजी	
	रोकड़ Cash	स्टॉक Stock	फर्नीचर Furniture	देनदार Debtors	लेनदार Creditors	पूँजी Capital
(i) रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash)	1,25,000					1,25,000
	1,25,000					1,25,000
(ii) नकद माल खरीदा (Goods purchased for Cash)	–50,000	50,000				
	75,000	50,000				1,25,000
(iii) आर.के. फर्नीचर से फर्नीचर खरीदा (Purchased furniture from R.K. furniture)			10,000		10,000	
	75,000	50,000	10,000		10,000	1,25,000
(iv) पारुल ट्रेडर को माल का विक्रय किया (लागत 7000 रुपये) [Goods sold to Parul Trader (Cost 7000 ₹)]		–7,000		9,000		2,000
	75,000	43,000	10,000	9,000	10,000	1,27,000
(v) ढुलाई का भुगतान (Paid Cartage)	–100					–100
	74,900	43,000	10,000	9,000	10,000	1,26,900
(vi) आर.के. फर्नीचर को रोकड़ का पूर्ण भुगतान (Cash paid to R.K. furniture in full settlement)	–9,700				–10,000	300
	65,200	43,000	–10,000	9,000	—	1,27,200
(vii) नकद विक्रय (लागत मूल्य 10,000 रुपये) [Cash sales (Costing ₹ 10,000)]	12,000	–10,000				2,000
	77,200	33,000	10,000	9,000	—	1,29,200
(viii) किराया प्राप्ति (Rent received)	4,000					4,000
	81,200	33,000	10,000	9,000	—	1,33,200
(ix) व्यक्तिगत प्रयोग के लिए आहरित नकद आहरण (Cash withdrew for personal use)	–3,000					–3,000
योग	78,200	33,000	10,000	9,000	—	1,30,200

SHIVOM CLASSES 8696608541

स्थिति विवरण.........
Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Capital	1,30,200	Cash	78,200
		Stock	33,000
		Furniture	10,000
		Debtors	9,000
	1,30,200		1,30,200

प्रश्न 10 बॉबी ने एक परामर्श फर्म आरंभ की और उसने नवंबर 2017 के दौरान निम्नलिखित लेन-देनों को पूरा किया:

(i) बॉबी कन्सल्टिंग नामक व्यवसाय में 4,00,000 ₹ की धनराशि और 1,50,000 ₹ के उपकरणों का निवेश किया।

(ii) भूमि एवं लघु कार्यालय भवन का क्रय, भूमि की कीमत 1,50,000 ₹ तथा भवन की कीमत 3,50,000 ₹ है। क्रय का भुगतान 2,00,000 ₹ नकद और 3,00,000 ₹ के दीर्घकालीन देय विपत्र के रूप में किया गया।

(iii) उधार पर 12,000 ₹ की कार्यालय आपूर्ति खरीदी।

(iv) बॉबी ने अपनी कार को व्यवसाय के नाम हस्तांतरित कर दिया जिसकी कीमत 90,000 ₹ थी।

(v) उधार पर 30,000 ₹ के अतिरिक्त कार्यालय उपकरण खरीदे।

(vi) कार्यालय प्रबंधक को 7,500 ₹ का भुगतान किया।

(vii) ग्राहक को सेवाएँ प्रदान करने पर 30,000 ₹ाप्त किए।

(viii) माह के विविध व्ययों के लिए 4,000 ₹ का भुगतान।

(ix) लेन-देन "ifi" के आपूर्तिदाता को भुगतान।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(x) 7,000 ₹ की अभिलिखित राशि के पुराने उपकरण के विनिमय और 93,000 ₹ की नकद राशि के भुगतान पर नये कार्यालय उपकरण का क्रय।

(xi) 26,000 ₹ की सेवाएं ग्राहक को प्रदान की गईं जिसका भुगतान 30 दिनों के अन्दर किया जाएगा।

(xii) लेन-देन "xi" के अनुसार ग्राहक से 19,500 ₹ का भुगतान प्राप्त हुआ।

(xiii) बॉबी ने व्यवसाय से 20,000 ₹ आहरित किए।

उपर्युक्त लेन-देनों का विश्लेषण करें और निम्नलिखित “T” खाते खोलें : रोकड़, ग्राहक, कार्यालय आपूर्ति, मोटर कार, भवन, भूमि, दीर्घकालीन देय विपत्र, आहरण, वेतन और विविध व्यय।

उत्तर – विश्लेषण तालिका : लेखांकन समीकरण (Accounting Equation) निम्न प्रकार बनेगा :

विवरण Particulars	परिसम्पत्तियाँ						देयताएँ + पूँजी		
	रोकड़ Cash	उपकरण Equipment	भूमि एवं भवन Land & Building	कार्यालय आपूर्ति Office/ Supplies	कार Car	देनदार Debtors	लेनदार Creditors	देय विपत्र B/P	पूँजी Capital
(i) रोकड़ तथा उपकरण से व्यापार प्रारम्भ किया (Business started with Cash & Equipment)	4,00,000	1,50,000							5,50,000
	4,00,000	1,50,000							5,50,000
(ii) भूमि एवं भवन खरीदा (Purchased Land & Building)	–2,00,000		5,00,000					3,00,000	
	2,00,000	1,50,000	5,00,000					3,00,000	5,50,000
(iii) उधार पर 12,000 रु. की कार्यालय आपूर्ति खरीदी (Purchased Office Supplies on Credit)				12,000			12,000		
	2,00,000	1,50,000	5,00,000	12,000			12,000	3,00,000	5,50,000
(iv) अपनी कार व्यापार में स्थानान्तरित कर दी (Car Transfer to Business)					90,000				90,000
	2,00,000	1,50,000	5,00,000	12,000	90,000		12,000	3,00,000	6,40,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(v) उधार पर अतिरिक्त कार्यालय उपकरण खरीदे (Purchased other office equipments on credit)		30,000					30,000		
	2,00,000	1,80,000	5,00,000	12,000	90,000		42,000	3,00,000	6,40,000
(vi) कार्यालय प्रबन्धक को भुगतान किया (Paid to office manager)	–7,500								–7,500
	1,92,500	1,80,000	5,00,000	12,000	90,000		42,000	3,00,000	6,32,500
(vii) ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करने पर राशि प्राप्त (Cash received from customers for services)	30,000								30,000
	2,22,500	1,80,000	5,00,000	12,000	90,000		42,000	3,00,000	6,62,500
(viii) विविध व्यय का भुगतान किया (Paid for Sundry Exp.)	–4,000								–4,000
	2,18,500	1,80,000	5,00,000	12,000	90,000		42,000	3,00,000	6,58,500
(ix) आपूर्तिकर्ता को भुगतान (Paid to Suppliers)	–12,000						–12,000		
	2,06,500	1,80,000	5,00,000	12,000	90,000		30,000	3,00,000	6,58,500
(x) नये उपकरण के बदले में पुराना उपकरण तथा शेष राशि नकद चुकाई (Paid Cash & Old equipments for New office equipments)	–93,000	–7,000 1,00,000							
	1,13,500	2,73,000	5,00,000	12,000	90,000		30,000	3,00,000	6,58,500
(xi) ग्राहक को सेवा प्रदान की गई (Service provided to Customer)						26,000			26,000
	1,13,500	2,73,000	5,00,000	12,000	90,000	26,000	30,000	3,00,000	6,84,500
(xii) ग्राहक से राशि प्राप्त (Cash received from Customer)	19,500					–19,500			
	1,33,000	2,73,000	5,00,000	12,000	90,000	6,500	30,000	3,00,000	6,84,500
(xiii) व्यवसाय से नकद आहरण किया (Withdrawn Cash from business)	–20,000								–20,000
	1,13,000	2,73,000	5,00,000	12,000	90,000	6,500	30,000	3,00,000	6,64,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

स्थिति विवरण.........

Balance Sheet as on ....

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
Creditors	30,000	Cash	1,13,000
Bills Payable	3,00,000	Equipment	2,73,000
Capital	6,64,500	Land & Building	5,00,000
		Office Supplier (Goods)	12,000
		Car	90,000
		Debtors (Client)	6,500
	9,94,500		9,94,500

नाम (Dr.) **जमा** (Cr.)

तिथि Date	विवरण Particulars	रो. पृ. सं.	राशि रु. Amount ₹	तिथि Date	विवरण Particulars	रो. पृ. सं.	राशि रु. Amount ₹
(i)	पूँजी खाता		4,00,000	(ii)	भूमि व भवन खाता		2,00,000
(vii)	ग्राहकों से प्राप्त		30,000	(vi)	प्रबन्धक का वेतन		7,500
(xii)	ग्राहक से प्राप्त		19,500	(viii)	विविध व्यय		4,000
				(ix)	आपूर्तिकर्ता का खाता		12,000
				(x)	उपकरण खाता		93,000
				(xiii)	आहरण खाता		20,000
					शेष आ.ले. C/d		1,13,000
			4,49,500				4,49,500

ग्राहक खाता (Client Account)

(xi)	सेवा खाता	26,000	(xii)	रोकड़ खाता	19,500
				शेष आ.ले. c/d	6,500
		26,000			26,000

कार्यालय आपूर्ति खाता (Office Appliances Account)

तिथि Date	विवरण Particular	राशि Amount	तिथि Date	विवरण Particular	राशि Amount
(iii)	विविध लेनदारों का खाता	12,000		शेष आ.ले. c/d	12,000
		12,000			12,000

मोटर कार खाता (Motor Car Account)

(iv)	पूँजी खाता	90,000		शेष आ.ले. c/d	90,000
		90,000			90,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ii)	रोकड़ खाता लेनदारों का खाता	2,00,000 3,00,000		शेष आ.ले. c/d		5,00,000
		5,00,000				5,00,000

दीर्घकालीन देय विपत्र खाता (Long Term Bills Payable Account)

	शेष आ.ले. c/d	3,00,000	(ii)	लेनदारों का खाता	3,00,000
		3,00,000			3,00,000

आहरण खाता (Drawings Account)

(xiii)	रोकड़ खाता	20,000			

वेतन खाता (Salaries Account)

(vi)	रोकड़ खाता (कार्यालय प्रबन्धक)	7,500			

विविध व्यय खाता (Sundry Expenses Account)

(viii)	रोकड़ खाता	4,000			

प्रश्न 11 हिमांशु की पुस्तकों में निम्न लेन-देनों की रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए:

1 दिसम्बर 2017 रोकड़ से व्यापार आरम्भ किया	75,000 ₹
7 दिसम्बर नकद माल खरीदा	10,000 ₹
9 दिसम्बर स्वाति को माल बेचा	5,000 ₹
12 दिसम्बर फर्नीचर खरीदा	3,000 ₹
18 दिसम्बर स्वाति से पूर्ण भुगतान के रूप में प्राप्त किए	4,000 ₹
25 दिसम्बर किराया चुकाया।	1,000 ₹
30 दिसम्बर वेतन का भुगतान किया	1,500 ₹

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Credit (₹)
2017 Dec. 1	Cash A/c	Dr.		75,000	
	To Capital A/c				75,000
	(Business started with cash)				
Dec. 7	Purchases A/c	Dr.		10,000	
	To Cash A/c				10,000
	(Purchased goods for cash)				
Dec. 9	Swati's A/c	Dr.		5,000	
	To Sales A/c				5,000
	(Goods sold to Swati)				
Dec. 12	Furniture A/c	Dr.		3,000	
	To Cash A/c				3,000
	(Furniture purchased)				
Dec. 18	Cash A/c	Dr.		4,000	
	Discount A/c	Dr.		1,000	
	To Swati				5,000
	(Cash received from Swati in full settlement)				
Dec. 25	Rent A/c	Dr.		1,000	
	To Cash A/c				1,000
	(Rent paid)				
Dec. 30	Salary A/c	Dr.		1,500	
	To Cash A/c				1,500
	(Salary paid)				
		Total		1,00,500	1,00,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 12 मुदित के रोजनामचे में निम्न लेन-देनों की प्रविष्टि कीजिए:

1 जनवरी, 2017 से 1,75,000 ₹ रोकड़ व 1,00,000 ₹ के भवन से व्यापार प्रारंभ किया 2 जनवरी नकद माल खरीदा	75,000 ₹
3 जनवरी रमेश को माल बेचा	30,000 ₹
4 जनवरी मजदूरी का भुगतान किया	500 ₹
6 जनवरी नकद माल बेचा	10,000₹

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

10 जनवरी व्यापार व्ययों का भुगतान किया	700 ₹
12 जनवरी रमेश से नकद प्राप्त किया	29,500₹
बट्टा दिया	500 ₹
14 जनवरी सुधीर से माल खरीदा	27000₹
18 जनवरी माल की ढुलाई दी	1,000 ₹
20 जनवरी व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ निकाली	5,000 ₹
22 जनवरी घरेलू उपयोग के लिए वस्तुएँ ली	2,000 ₹
25 जनवरी सुधीर को भुगतान किया	26,700₹
बट्टा दिया	300 ₹

उत्तर –

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017					
1 Jan.	Cash A/c	Dr.		1,75,000	
	Building A/c	Dr.		1,00,000	
	To Capital A/c				2,75,000
	(Business started with Cash & Building)				
2 Jan.	Purchases A/c	Dr.		75,000	
	To Cash A/c				75,000
	(Purchased goods for Cash)				
3 Jan.	Ramesh's A/c	Dr.		30,000	
	To Sales A/c				30,000
	(Goods sold to Ramesh)				
4 Jan.	Wages A/c	Dr.		500	
	To Cash A/c				500
	(Wages Paid)				
6 Jan.	Cash A/c	Dr.		10,000	
	To Sales A/c				10,000
	(Goods sold for Cash)				
10 Jan.	Trade Expenses A/c	Dr.		700	
	To Cash A/c				700
	(Being Trade Expenses Paid)				
12 Jan.	Cash A/c	Dr.		29,500	
	Discount A/c	Dr.		500	
	To Ramesh				30,000
	(Being Cash Received and discount Allowed)				
14 Jan.	Purchases A/c	Dr.		27,000	
	To Sudhir				27,000
	(Being Goods Purchased from Sudhir)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

18 Jan.	Cartage A/c Dr. To Cash A/c (Being Cartage Paid)		1,000	1,000
20 Jan.	Drawings A/c Dr. To Cash A/c (Withdrew Cash for personal use)		5,000	5,000
22 Jan.	Drawings A/c Dr. To Purchases A/c (Being withdrew goods for personal use)		2,000	2,000
25 Jan.	Sudhir's A/c Dr. To Cash A/c To Discount A/c (Being Cash paid to Sudhir & discount Received)		27,000	26,700 300
	Total		4,83,200	4,83,200

प्रश्न 13 निम्न लेन-देनों की रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए:

1 दिसंबर, 2017 को हेमा ने रोकड़ से व्यापार आरंभ किया	1,00,000 ₹
2 दिसम्बर भारतीय स्टेट बैंक में खाता खोला	30,000 ₹
4 दिसम्बर आशु से माल खरीदा	20,000 ₹
6 दिसम्बर राहुल को नकद माल बेचा	15,000 ₹
10 दिसम्बर तारा से नकद माल खरीदा	40,000 ₹
13 दिसम्बर सुमन को माल बेचा	20,000 ₹
16 दिसम्बर सुमन से भुगतान का चेक प्राप्त किया	19,500 ₹
बट्टा	500 ₹
20 दिसम्बर आशु को भुगतान का चेक जारी किया	10,000 ₹
22 दिसम्बर किराये का भुगतान चेक द्वारा किया	2,000 ₹
23 दिसम्बर बैंक में जमा कराए	16,000 ₹
25 दिसम्बर प्रज्ञा से मशीन खरीदी	10,000 ₹
26 दिसम्बर व्यापारिक खर्चे	2,000 ₹
28 दिसम्बर प्रज्ञा को चेक द्वारा भुगतान किया	10,000 ₹
29 दिसम्बर टेलीफोन व्यय के लिए चेक दिया	1,200 ₹
31 दिसम्बर वेतन का भुगतान किया	4,500 ₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017					
1 Dec.	Cash A/c	Dr.		1,00,000	
	To Capital A/c				1,00,000
	(Being Business started with Cash)				
2 Dec.	Bank A/c	Dr.		30,000	
	To Cash A/c				30,000
	(Deposited Cash into Bank)				
4 Dec.	Purchases A/c	Dr.		20,000	
	To Ashu				20,000
	(Goods purchased from Ashu)				
6 Dec.	Cash A/c	Dr.		15,000	
	To Sales A/c				15,000
	(Goods sold to Rahul for Cash)				
10 Dec.	Purchases A/c	Dr.		40,000	
	To Cash A/c				40,000
	(Goods purchased in Cash from Tara)				
13 Dec.	Suman's A/c	Dr.		20,000	
	To Sales A/c				20,000
	(Goods sold to Suman)				
16 Dec.	Bank A/c	Dr.		19,500	
	Discount A/c	Dr.		500	
	To Suman				20,000
	(Cheque received & Discount allowed)				
20 Dec.	Ashu's A/c	Dr.		10,000	
	To Bank A/c				10,000
	(Cheque issued to Ashu)				
22 Dec.	Rent A/c	Dr.		2,000	
	To Bank A/c				2,000
	(Rent paid by Cheque)				
23 Dec.	Bank A/c	Dr.		16,000	
	To Cash A/c				16,000
	(Cash deposited into Bank)				
25 Dec.	Machinery A/c	Dr.		10,000	
	To Pragya				10,000
	(Machinery purchased from Pragya)				
26 Dec.	Trade Expenses A/c	Dr.		2,000	
	To Cash A/c				2,000
	(Trade Exp. Paid)				
28 Dec.	Pragya's A/c	Dr.		10,000	
	To Bank A/c				10,000
	(Paid cheque to Pragya)				
29 Dec.	Telephone Exp. A/c	Dr.		1,200	
	To Bank A/c				1,200
	(Telephone Exp. Paid)				
31 Dec.	Salary A/c	Dr.		4,500	
	To Cash A/c				4,500
	(Salary Paid)				
		Total		3,00,700	3,00,700

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 14 हरप्रीत ब्रदर्स की पुस्तकों में रोजनामचे की प्रविष्टियाँ कीजिए:

I. 1,000 ₹ जिनका भुगतान रोहित को करना था, अब डूबत ऋण हैं।
II. 2,000 ₹ मूल्य के माल का उपयोग स्वामी ने अपने लिए किया।
III. 30,000 ₹ की मशीन पर 10% की दर से दो माह के लिए मूल्य ह्रास की गणना कर प्रविष्टि करें।
IV. 1,50,000₹ की पूँजी पर 6 की दर से 9 महीने के ब्याज की गणना कर प्रविष्टि करें।
V. राहुल जिस पर 2,000 ₹ बकाया थे दिवालिया हो गया उससे केवल ₹ में 60 पैसे ही प्राप्त हुए।

उत्तर –

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
(i)	Bad debts A/c Dr. To Rohit (Being Amt. due from Rohit is bad debts)		1,000	1,000
(ii)	Drawings A/c Dr. To Purchases A/c (Goods withdrew by Proprietor for personal use)		2,000	2,000
(iii)	Depreciation A/c Dr. To Machine A/c (Depreciation charged on Machine @10% P.A. for 2 months)		500	500
(iv)	Interest on Capital A/c Dr. To Capital A/c (Interest on Capital of ₹ 1,50,000 charged @ 6% for 9 Months)		6,750	6,750
(v)	Cash A/c Dr. Bad Debts A/c Dr. To Rahul (Rahul became Insolvent and 60 paise in a Rupee is Received)		1,200 800	2,000
	Total		12,250	12,250

प्रश्न 15 नीचे दिए गए लेन-देनों से रोजनामचा तैयार करें:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) मशीन की स्थापना के लिए किया गया नकद व्यय	500 ₹
(ii) माल दान में दिया	2,000 ₹
(iii) 70,000 ₹ की पूँजी पर 7% की दर से लगाया गया ब्याज	-
(iv) 1,200 ₹ का डूबत ऋण जिसे पिछले वर्ष अप्राप्य मान कर समाप्त कर दिया गया था प्राप्त हुआ।	-
(v) आग से 2,000 ₹ का माल क्षतिग्रस्त हुआ।	-
(vi) बकाया किराया	-
(vii) आहरण पर ब्याज	1,000₹
(viii) सुधीर कुमार जिसने हमें 3,000 ₹ का उधार चुकाना था अब इस स्थिति में नहीं है। वह रुपये में केवल 45 पैसे का ही भुगतान कर पाया।	900 ₹
(ix) पूर्वदत्त कमीशन प्राप्त	7,000 ₹

उत्तर –

Journal of ....

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
(i)	Machinery A/c Dr.		500	
	To Cash A/c			500
	(Being Installation expenses paid for a Machine)			
(ii)	Charity A/c Dr.		2,000	
	To Purchase A/c			2,000
	(Goods given away as charity)			
(iii)	Interest on Capital A/c Dr.		4,900	
	To Capital A/c			4,900
	(Interest on Capital of ₹ 70,000 @7% P.A. charged for a year)			
(iv)	Cash A/c Dr.		1,200	
	To Bad debts Recovered A/c			1,200
	(Bad debts written off last year now recovered)			
(v)	Loss by fire A/c Dr.		2,000	
	To Purchases A/c			2,000
	(Goods destroyed by fire)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

(vi)	Rent A/c To Outstanding Rent A/c (Rent Outstanding)	Dr.	1,000	1,000
(vii)	Drawings A/c To Interest on Drawings A/c (Interest on Drawing in due)	Dr.	900	900
(viii)	Cash A/c Bad debts A/c To Sudhir Kumar (Being 45 paisa in a Rupee received from Sudhir Kumar who owes ₹ 3,000)	Dr. Dr.	1,350 1,650	3,000
(ix)	Cash A/c To Unearned Commission A/c (Received Commission in Adv.)	Dr.	7,000	7,000
		Total	22,500	22,500

प्रश्न 16 निम्न लेन-देनों की रोजनामचे में प्रविष्टि कर खाते में खतौनी कीजिए:

1 नवम्बर, 2017 को रोकड 1,50,000 ₹ व 50,000 ₹ के माल से व्यापार आरंभ किया	30,000 ₹
3 नवम्बर हरीश से माल खरीदा	12,000₹
5 नवम्बर नकद माल बेचा	5,000 ₹
8 नवम्बर नकद फर्नीचर खरीदा	15,000₹
10 नवम्बर हरीश को नकद भुगतान किया	200 ₹
13 नवम्बर विविध व्ययों का भुगतान किया	15,000 ₹
15 नवम्बर नकद बिक्री	5,000 ₹
18 नवम्बर बैंक खाते में जमा करवाए	1,000 ₹
20 नवम्बर व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ निकाली	14,700 ₹
22 नवम्बर हरीश को अंतिम भुगतान किया	7,000 ₹
25 नवम्बर नीतिश को माल बेचा	200 ₹
26 नवम्बर माल की ढुलाई दी	1,500 ₹
27 नवम्बर किराए का भुगतान किया	6,800₹
29 नवम्बर नीतिश ने भुगतान किया बट्टा दिया	200₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

30 नवम्बर वेतन का भुगतान किया	3,000₹

उत्तर –

Journal of ....

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017 1 Nov.	Cash A/c Stock A/c To Capital A/c (Business started with Cash & Goods)	Dr. Dr.		1,50,000 50,000	 2,00,000
3 Nov.	Purchases A/c To Harish (Goods purchased from Harish)	Dr.		30,000	 30,000
5 Nov.	Cash A/c To Sales A/c (Goods sold in Cash)	Dr.		12,000	 12,000
8 Nov.	Furniture A/c To Cash A/c (Furniture Purchased)	Dr.		5,000	 5,000
10 Nov.	Harish's A/c To Cash A/c (Cash paid to Harish)	Dr.		15,000	 15,000
13 Nov.	Sundry Expenses A/c To Cash A/c (Sundry Expenses Paid)	Dr.		200	 200
15 Nov.	Cash A/c To Sales A/c (Goods sold in Cash)	Dr.		15,000	 15,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

18 Nov.	Bank A/c Dr. To Cash A/c (Cash deposited into Bank)		5,000	5,000
20 Nov.	Drawings A/c Dr. To Cash A/c (Cash withdrawn for personal use)		1,000	1,000
22 Nov.	Harish's A/c Dr. To Cash A/c To Discount A/c (Cash paid to Harish in full settlement)		15,000	14,700 300
25 Nov.	Nitish's A/c Dr. To Sales A/c (Goods sold to Nitish)		7,000	7,000
26 Nov.	Cartage A/c Dr. To Cash A/c (Paid for Cartage)		200	200
27 Nov.	Rent A/c Dr. To Cash A/c (Rent paid)		1,500	1,500
29 Nov.	Cash A/c Dr. Discount A/c Dr. To Nitish (Cash received from Nitish & discount allowed)		6,800 200	7,000
30 Nov.	Salary A/c Dr. To Cash A/c (Paid salary)		3,000	3,000
	Total		**3,16,900**	**3,16,900**

Ledger

Dr. **Cash A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2017				2017			
1 Nov.	To Capital A/c		1,50,000	8 Nov.	By Furniture A/c		5,000
5 Nov.	To Sales A/c		12,000	10 Nov.	By Harish A/c		15,000
15 Nov.	To Sales A/c		15,000	13 Nov.	By Sundry Exp.		200
29 Nov.	To Nitish		6,800	18 Nov.	By Bank A/c		5,000
				20 Nov.	By Drawing A/c		1,000
				22 Nov.	By Harish A/c		14,700
				26 Nov.	By Cartage A/c		200
				27 Nov.	By Rent A/c		1,500
				30 Nov.	By Salary		3,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Stock A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 1 Nov.	To Capital		50,000				

Dr. **Capital A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 1 Nov. 1 Nov.	 By Cash A/c By Stock		 1,50,000 50,000

Dr. **Purchases A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 3 Nov.	To Harish		30,000				

Dr. **Harish A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 10 Nov. 22 Nov. 22 Nov.	 To Cash To Cash To Discount		 15,000 14,700 300	2017 3 Nov.	 By Purchases		 30,000

Dr. **Furniture A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 8 Nov.	To Cash		5,000				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Sales A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017			
				5 Nov.	By Cash		12,000
				15 Nov.	By Cash		15,000
				25 Nov.	By Nitish		7,000

Dr. **Sundry Expenses A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
13 Nov.	To Cash		200				

Dr. **Bank A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
18 Nov.	To Cash		5,000				

Dr. **Drawings A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
20 Nov.	To Cash		1,000				

Dr. **Discount A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
29 Nov.	To Nitish		200	22 Nov.	By Harish		300

Dr. **Nitish A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
25 Nov.	To Sales A/c		7,000	29 Nov.	By Cash		6,800
				29 Nov.	By Discount		200

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cartage A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 26 Nov.	To Cash		200				

Dr. Rent A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 27 Nov.	To Cash		1,500				

Dr. Salary A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Nov. 30	To Cash		3,000				

प्रश्न 17 मै. गोयल ब्रदर्स के निम्न लेन-देनों की प्रविष्टि रोजनामचे में कर उसकी खतौनी खाताबही में करें:

1 जनवरी, 2017 रोकड़ से व्यापार आरंभ किया	1,65,000 ₹
2 जनवरी, पी.एन.बी. में बैंक खाता खोला	80,000 ₹
4 जनवरी तारा से माल खरीदा	22,000 ₹
5 जनवरी नकद माल खरीदा	30,000 ₹
8 जनवरी नमन को माल बेचा	12,000 ₹
10 जनवरी तारा को नकद भुगतान किया ।	22,000 ₹
15 जनवरी नमन से रोकड़ प्राप्त किया	11,700 ₹
बट्टा दिया 16 जनवरी मजदूरी का भुगतान किया	200 ₹
18 जनवरी ऑफिस में प्रयोग के लिए फर्नीचर खरीदा	5,000 ₹
20 जनवरी बैंक से व्यक्तिगत उपयोग के लिए राशि आहरित की	4,000 ₹
22 जनवरी चेक द्वारा किराये का भुगतान किया।	3,000 ₹
23 जनवरी घरेलू उपयोग के लिए माल व्यापार से निकाला	2,000 ₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

24 जनवरी ऑफिस उपयोग के लिए बैंक से राशि आहरित की	6,000 ₹
26 जनवरी कमीशन प्राप्त की	1,000 ₹
26 जनवरी बैंक खर्चे 2,000 ₹	3,000 ₹
28 जनवरी 'बीमा प्रीमियम के भुगतान के लिए चेक जारी किया 6,000 ₹	7,000 ₹
29 जनवरी वेतन का भुगतान किया 1,000 ₹	10,000 ₹
30 जनवरी नकद विक्रय	1,65,000 ₹

उत्तर –

Books of M/s Goel Bros.
Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017 1 Jan.	Cash A/c To Capital (Being business started with cash)	Dr.		1,65,000	1,65,000
2 Jan.	Bank A/c To Cash (Bank account opened in PNB)	Dr.		80,000	80,000
4 Jan.	Purchases A/c To Tara (Purchased goods from Tara)	Dr.		22,000	22,000
5 Jan.	Purchases A/c To Cash (Goods purchased for cash)	Dr.		30,000	30,000
8 Jan.	Naman's A/c To Sales (Goods sold to Naman)	Dr.		12,000	12,000
10 Jan.	Tara's A/c To Cash (Paid cash to Tara)	Dr.		22,000	22,000
15 Jan.	Cash A/c Discount A/c To Naman (Cash received from Naman & discount allowed)	Dr. Dr.		11,700 300	12,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

16 Jan.	Wages A/c Dr. To Cash (Wages paid)		200	200
18 Jan.	Furniture A/c Dr. To Cash (Furniture purchased for office use)		5,000	5,000
20 Jan.	Drawings A/c Dr. To Bank (Cash withdrawn from Bank for personal use)		4,000	4,000
22 Jan.	Rent A/c Dr. To Bank (Rent paid by Cheque)		3,000	3,000
23 Jan.	Drawings A/c Dr. To Purchases (Goods withdrawn for private use)		2,000	2,000
24 Jan.	Cash A/c Dr. To Bank (Cash withdrawn from Bank for office use)		6,000	6,000
26 Jan.	Cash A/c Dr. To Commission (Commission received)		1,000	1,000
28 Jan.	Insurance Premium A/c Dr. To Bank (Insurance premium paid by Bank)		3,000	3,000
29 Jan.	Salary A/c Dr To Cash (Salary paid)		7,000	7,000
30 Jan.	Cash A/c Dr To Sales (Goods sold for cash)		10,000	10,000
	Total		3,84,400	3,84,400

Ledger

Dr. Cash A/c Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2017				2017			
1 Jan.	To Capital A/c		1,65,000	2 Jan.	By Bank		80,000
15 Jan.	To Naman		11,700	5 Jan.	By Purchase		30,000
24 Jan.	To Bank		6,000	10 Jan.	By Tara		22,000
26 Jan.	To Commission		1,000	16 Jan.	By Wages		200
30 Jan.	To Sales		10,000	19 Jan.	By Furniture		5,000
				29 Jan.	By Salary		7,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Capital A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 1 Jan.	By Cash		1,65,000

Dr. **Bank A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 2 Jan.	To Cash		80,000	2017 20 Jan. 22 Jan. 24 Jan. 26 Jan. 28 Jan.	By Drawings By Rent By Cash By Bank Charges By Insurance Premium		4,000 3,000 6,000 200 3,000

Dr. **Tara's Account** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 10 Jan.	To Cash		22,000	2017 4 Jan.	By Purchase		22,000

Dr. **Purchases A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 4 Jan. 5 Jan.	To Tara To Cash		22,000 30,000	2017 23 Jan.	By Drawings		2,000

Dr. **Naman's A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 8 Jan.	To Sales		12,000	2017 15 Jan. 15 Jan.	By Cash By Discount		11,700 300

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Sales A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017			
				8 Jan.	By Naman		12,000
				30 Jan.	By Cash		10,000

Dr. Discount A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
15 Jan.	To Naman		300				

Dr. Wages A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
16 Jan.	To Cash		200				

Dr. Furniture A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
18 Jan.	To Cash		5,000				

Dr. Drawings Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
20 Jan.	To Bank		4,000				
23 Jan.	To Purchase		2,000				

Dr. Rent Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
22 Jan.	To Bank		3,000				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Commission Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 26 Jan.	By Cash A/c		1,000

Dr. Bank Charges A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Jan. 26	To Bank		200				

Dr. Insurance Premium A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Jan. 28	To Bank		3,000				

Dr. Salary Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Jan. 29	To Cash		7,000				

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 18 मै. मोहित ट्रेडर्स के लिए रोजनामचे में प्रविष्टियाँ कर खाता बही में खतौनी कीजिए:

1 अगस्त, 2017 रोकड़ से व्यापार आरंभ किया	1,10,000 ₹
2 अगस्त एच.डी.एफ.सी. बैंक में खाता खोला	50,000 ₹
3 अगस्त फर्नीचर खरीदा	20,000 ₹
7 अगस्त रूपा ट्रेडर्स से नकद माल खरीदा	30,000 ₹
8 अगस्त मै. हेमा ट्रेडर्स से माल खरीदा	42,000 ₹
10 अगस्त रोकड़ माल बेचा	30,000 ₹
14 अगस्त मै. गुप्ता ट्रेडर्स को उधार माल बेचा	12,000 ₹
16 अगस्त किराए का भुगतान किया	4,000 ₹

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

18 अगस्त व्यापारिक खर्चों का भुगतान किया	1,000 ₹
20 अगस्त गुप्ता ट्रेडर्स से नकद प्राप्त किया	12,000 ₹
22 अगस्त हेमा ट्रेडर्स का खरीदा माल वापिस किया	2,000 ₹
23 अगस्त हेमा ट्रेडर्स को नकद भुगतान किया	40,000 ₹
25 अगस्त डाक	100 ₹
30 अगस्त ऋषभ को वेतन दिया	4,000 ₹

उत्तर –

Books of M/s Mohit Traders
Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017 1 Aug.	Cash A/c Dr. To Capital (Business started with Cash)		1,10,000	1,10,000
2 Aug.	Bank A/c Dr. To Cash (Opened Bank Account in H.D.F.C. Bank)		50,000	50,000
3 Aug.	Furniture A/c Dr. To Cash (Furniture purchased)		20,000	20,000
7 Aug.	Purchases A/c Dr. To Cash (Purchased goods from M/s Rupa Traders for Cash)		30,000	30,000
8 Aug.	Purchases A/c Dr. To Hema Traders (Goods purchased from Hema Traders)		42,000	42,000
10 Aug.	Cash A/c Dr. To Sales (Goods sold for Cash)		30,000	30,000
14 Aug.	Gupta Traders A/c Dr. To Sales (Goods sold to M/s Gupta Traders)		12,000	12,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

16 Aug.	Rent A/c Dr. To Cash (Rent Paid)		4,000	4,000
18 Aug.	Trade Expenses A/c Dr. To Cash (Trade Expenses Paid)		1,000	1,000
20 Aug.	Cash A/c Dr. To Gupta Traders (Cash received from Gupta Traders)		12,000	12,000
22 Aug.	Hema Traders A/c Dr. To Purchases Return (Goods returned to Hema Traders)		2,000	2,000
23 Aug.	Hema Traders A/c Dr. To Cash (Cash received from Hema Traders)		40,000	40,000
25 Aug.	Postage Stamps A/c Dr. To Cash (Postage Stamps Purchased)		100	100
30 Aug.	Salary A/c Dr. To Cash (Salary paid)		4,000	4,000
	Total		3,57,100	3,57,100

Ledger of M/s Mohit Traders

Dr. **Cash A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Aug. 1	To Capital A/c		1,10,000	Aug. 2	By Bank A/c		50,000
Aug. 10	To Sales		30,000	Aug. 3	By Furniture A/c		20,000
Aug. 20	To Gupta Traders		12,000	Aug. 7	By Purchase A/c		30,000
				Aug. 16	By Rent A/c		4000
				Aug. 18	By Trade Exp. A/c		1000
				Aug. 23	By Hema Traders		40,000
				Aug. 25	By Postage stamp		100
				Aug. 30	By Salary		4000

Dr. **Capital A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 1 Aug.	By Cash		1,10,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Bank A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 2Aug.	To Cash		50,000				

Dr. Furniture A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 3 Aug.	To Cash		20,000				

Dr. Purchases A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 7 Aug. 8 Aug.	To Cash To Hema Traders		30,000 42,000				

Dr. Hema Traders's A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 22 Aug. 23 Aug.	To Purchase Ret. To Cash		2,000 40,000	2017 8 Aug.	By Purchase		42,000

Dr. Sales Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 10 Aug. 14 Aug.	By Cash By Gupta Traders		30,000 12,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Gupta Traders Account** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 14 Aug.	To Sales		12,000	2017 20 Aug.	By Cash		12,000

Dr. **Rent A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 16 Aug.	To Cash		4000				

Dr. **Trade Exp. Account** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 18 Aug.	To Cash		1000				

Dr. **Purchase Return A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 22 Aug.	By Hema Traders		2000

Dr. **Postage Stamps A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 25 Aug.	To Cash		100				

Dr. **Salary A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 30 Aug.	To Cash		4,000				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 19 मै भानु ट्रेडर्स की पुस्तकों में रोजनामचा में प्रविष्टियाँ कर उनकी खतौनी खाता बही में करें:

1 दिसम्बर, 2017 रोकड़ से व्यापार आरम्भ किया	92,000 ₹
2 दिसंबर बैंक में रोकड़ जमा किया	60,000 ₹
4 दिसंबर हिमानी से उधार माल खरीदा	40,000 ₹
6 दिसंबर नकद माल खरीदा	20,000 ₹
8 दिसंबर हिमानी को माल वापसी की	4,000 ₹
10 दिसंबर नकद माल बेचा	20,000 ₹
14 दिसंबर हिमानी को चेक जारी किया	36,000 ₹
17 दिसंबर मै. गोयल ट्रेडर्स को माल बेचा	35,000 ₹
19 दिसंबर व्यक्तिगत उपयोग के लिये बैंक से कैश निकाला	2,000 ₹
21 दिसंबर गोयल ट्रेडर्स ने माल वापस किया	3,500 ₹
22 दिसंबर बैंक में कैश जमा किया	20,000 ₹
26 दिसंबर गोयल ट्रेडर्स से चेक प्राप्त कियां	31,500 ₹
28 दिसंबर माल दान में दिया	2,000 ₹
29 दिसंबर किराया दिया	3,000 ₹
30 दिसंबर वेतन का भुगतान किया	7,000 ₹
31 दिसंबर कार्यालय के लिये मशीन नकद खरीदी	3,000 ₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

Books of M/s Bhanu Traders
Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017 1 Dec.	Cash A/c Dr. To Capital (Business started with Cash)		92,000	92,000
2 Dec.	Bank A/c Dr. To Cash (Deposited into Bank)		60,000	60,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

4 Dec.	Purchases A/c Dr. To Himani (Purchased goods from Himani)		40,000	40,000
6 Dec.	Purchases A/c Dr. To Cash (Goods purchased for Cash)		20,000	20,000
8 Dec.	Himani's A/c Dr. To Purchase Return (Goods returned to Himani)		4,000	4,000
10 Dec.	Cash A/c Dr. To Sales (Goods sold for Cash)		20,000	20,000
14 Dec.	Himani's A/c Dr. To Bank (Cheque issued to Himani)		36,000	36,000
17 Dec.	M/s Goyal Traders' A/c Dr. To Sales (Goods sold on Credit to Goyal Traders)		35,000	35,000
19 Dec.	Drawings A/c Dr. To Bank (Drew Cash from Bank for Personal use)		2,000	2,000
21 Dec.	Sales Return A/c Dr. To Goyal Traders (Goyal Traders returned goods)		3,500	3,500
22 Dec.	Bank A/c Dr. To Cash (Cash deposited into Bank)		20,000	20,000
26 Dec.	Bank A/c Dr. To Goyal Traders (Cheque received from Goyal Traders)		31,500	31,500
28 Dec.	Charity A/c Dr. To Purchases (Goods given as Charity)		2,000	2,000
29 Dec.	Rent A/c Dr. To Cash (Rent paid)		3,000	3,000
30 Dec.	Salary A/c Dr. To Cash (Salary Paid)		7,000	7,000
31 Dec.	Machinery A/c Dr. To Cash (Machinery purchased for Cash)		3,000	3,000
	Total		3,79,000	3,79,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Ledger

Dr. **Cash A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 1	To Capital		92,000	Dec. 2	By Bank		60,000
Dec. 10	To Sales		20,000	Dec. 6	By Purchases		20,000
				Dec 22	By Bank		20,000
				Dec. 29	By Rent		3,000
				Dec. 30	By Salary		7,000
				Dec. 31	By Machinery		3,000

Dr. **Capital A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017			
				Dec. 1	By Cash		92,000

Dr. **Bank A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec 2	To Cash		60,000	Dec.14	By Himani		36,000
Dec. 22	To Cash		20,000	Dec.19	By Drawings		2,000
Dec. 26	To Goyal Traders		31,500				

Dr. **Purchases A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 4	To Himani A/c		40,000	Dec. 28	By Charity		2,000
Dec. 6	To Cash A/c		20,000				

Dr. **Himani's Account** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 8	To Purchase Ret.		4,000	Dec. 4	By Purchase		40,000
Dec. 14	To Bank		36,000				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Purchase Return A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 Dec. 8	By Himani		4,000

Dr. Sales Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 Dec. 10	By Cash A/c		20,000
				Dec. 17	By M/s Goyal Traders		35,000

Dr. M/s Goyal Traders' A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Dec. 17	To Sales		35,000	2017 Dec.21	By Sales Ret.		3,500
				Dec.26	By Bank		31,500

Dr. Drawings A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Dec. 19	To Bank		2,000				

Dr. Sales Return Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Dec. 21	To Goyal Traders		3,500				

Dr. Charity A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Dec. 28	To Purchase		2,000				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Rent A/c Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2017 Dec. 29	To Cash		3,000				

Dr. Salary A/c Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2017 Dec. 30	To Cash		7,000				

Dr. Machinery A/c Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2017 Dec. 31	To Cash A/c		3,000				

प्रश्न 20 मै. ब्यूटी ट्रेडर्स की पुस्तकों में रोजनामचे की प्रविष्टियाँ कर उनकी खाता बही में खतौनी कीजिए:

1 दिसंबर, 2017 रोकड़ से व्यापार आरंभ किया	2,00,000
2 दिसंबर ऑफिस के लिए फर्नीचर खरीदा	30,000 ₹
3 दिसंबर बैंक में चालू खाता खोला	1,00,000
5 दिसंबर चेक द्वारा भुगतान कर कंप्यूटर खरीदा	25,000 ₹
6 दिसंबर रितिका से उधार माल खरीदा	60,000 ₹
8 दिसंबर नकद बिक्री	30,000 ₹
9 दिसंबर कृष्णा को माल उधार बेचा	25,000 ₹
12 दिसंबर रितिका को नकद भुगतान किया	30,000 ₹
14 दिसंबर रितिका को माल वापिस किया	2,000 ₹
15 दिसंबर नकद भुगतान कर स्टेशनरी खरीदी	3,000 ₹
16 दिसंबर मजदूरी का भुगतान किया	1,000 ₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

18 दिसंबर कृष्णा ने माल वापिस किया	2,000 ₹
20 दिसंबर रितिका को चेक द्वारा भुगतान किया।	28,000 ₹
22 दिसंबर कृष्णा से रोकड़ प्राप्त की	15,000 ₹
24 दिसंबर चेक द्वारा बीमे के प्रीमियम का भुगतान किया	4,000 ₹
26 दिसंबर कृष्णा से चेक प्राप्त किया	8,000 ₹
28 दिसंबर चेक द्वारा किराये का भुगतान किया	3,000 ₹
29 दिसंबर मीना ट्रेडर्स से उधार माल खरीदा	20,000 ₹
30 दिसंबर नकद बिक्री	14,000 ₹

उत्तर –

Books of M/s Beauty Traders
Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017 1 Dec.	Cash A/c Dr. To Capital (Business started with Cash)		2,00,000	2,00,000
2 Dec.	Furniture A/c Dr. To Cash (Furniture purchased for office use)		30,000	30,000
3 Dec.	Bank A/c Dr. To Cash (Current Account opened in Bank)		1,00,000	1,00,000
5 Dec.	Computer A/c Dr. To Bank (Computer purchased & payment made by cheque)		25,000	25,000
6 Dec.	Purchases A/c Dr. To Ritika (Purchased goods from Ritika)		60,000	60,000
8 Dec.	Cash A/c Dr. To Sales (Goods sold for Cash)		30,000	30,000
9 Dec.	Krishna's A/c Dr. To Sales (Goods sold to Krishna on Credit)		25,000	25,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

12 Dec.	Ritika's A/c Dr. To Cash (Paid Cash to Ritika)		30,000	30,000
14 Dec.	Ritika's A/c Dr. To Purchase Ret. (Goods returned to Ritika)		2,000	2,000
15 Dec.	Stationary A/c Dr. To Cash (Stationary purchased for cash)		3,000	3,000
16 Dec.	Wages A/c Dr. To Cash (Wages paid)		1,000	1,000
18 Dec.	Sales Return A/c Dr. To Krishna (Goods returned by Krishna)		2,000	2000
20 Dec.	Ritika's A/c Dr. To Bank (Paid Ritika by Cheque)		28,000	28,000
22 Dec.	Cash A/c Dr. To Krishna (Cash received from Krishna)		15,000	15,000
24 Dec.	Insurance Premium A/c Dr. To Bank (Insurance Premium paid by Cheque)		4,000	4,000
26 Dec.	Bank A/c Dr. To Krishna (Cheque received from Krishna)		8,000	8,000
28 Dec.	Rent A/c Dr. To Bank (Rent paid by Cheque)		3,000	3,000
29 Dec.	Purchases A/c Dr. To Meena Traders (Goods purchased on Credit from Meena Traders)		20,000	20,000
30 Dec.	Cash A/c Dr. To Sales (Goods sold for Cash)		14,000	14,000
	Total		6,00,000	6,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Ledger

Dr. **Cash A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 1	To Capital		2,00,000	Dec. 2	By Furniture		30,000
Dec. 8	To Sales		30,000	Dec. 3	By Bank		1,00,000
Dec. 22	To Krishna		15,000	Dec. 12	By Ritika		30,000
Dec. 30	To Sales		14,000	Dec. 15	By Stationary		3,000
				Dec. 16	By Wages		1,000

Dr. **Capital A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017			
				Dec. 1	By Cash		2,00,000

Dr. **Furniture Account** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Dec. 2	To Cash		30,000				

Dr. **Computer A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Dec. 5	To Bank		25,000				

Dr. **Bank A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 3	To Cash		1,00,000	Dec. 5	By Computer		25,000
Dec. 26	To Krishna		8,000	Dec. 20	By Ritika's A/c		28,000
				Dec. 24	By Insurance Premium		4,000
				Dec. 28	By Rent		3,000

Dr. **Purchase Account** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Dec. 6	To Ritika		60,000				
Dec. 29	To Meena Traders		20,000				

Dr. **Sales A/c** **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017			
				Dec. 8	By Cash		30,000
				Dec. 9	By Krishna		25,000
				Dec. 30	By Cash		14,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Krishna's A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 9	To Sales		25,000	Dec. 18	By Sales Ret.		2,000
				Dec. 22	By Cash		15,000
				Dec. 26	By Bank		8,000

Dr. **Ritika's A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Dec. 12	To Cash		30,000	Dec. 6	By Purchase		60,000
Dec. 14	To Purchase Ret.		2,000				
Dec. 20	To Bank		28,000				

Dr. **Purchase Ret.** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017			
				Dec. 14	By Ritika		2000

Dr. **Stationary A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Dec. 15	To Cash		3,000				

Dr. **Wages A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Dec. 16	To Cash		1000				

Dr. **Sales Return A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Dec. 18	To Krishna		2,000				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Insurance Premium A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Dec. 24	To Bank		4,000				

Dr. Rent A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Dec. 28	To Bank		3,000				

Dr. Meena Traders' A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 Dec. 29	By Purchase A/c		20,000

प्रश्न 21 संजना के लिए रोजनामचा तैयार कर खाताबही में खतौनी कीजिए:

जनवरी, 2017 1 हस्तस्थ रोकड़ बैंकस्थ रोकड़ माल का स्टॉक रोहन से उधार तरुण पर उधार	6,000 ₹ 55,000 ₹ 40,000 ₹ 6,000 ₹ 10,000 ₹ 4,000 ₹
3 करुणा को माल की बिक्री	15,000 ₹
4 नकद बिक्री	10,000 ₹
6 हिना को माल की बिक्री	5,000 ₹
8 रूपाली से माल का क्रय	30,000 ₹

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

10 करुणा से माल की वापसी	2,000 ₹
14 करुणा से रोकड़ की प्राप्ति	13,000 ₹
15 रोहन को चेक से भुगतान	6,000 ₹
16 हिना से नकद की प्राप्ति	3,000 ₹
20 तरुण से चेक की प्राप्ति	10,000 ₹
22 हिना से चेक की प्राप्ति	2,000 ₹
25 रूपाली को नकद भुगतान	18,000 ₹
26 माल की ढुलाई का भुगतान	1,000 ₹
27 वेतन का भुगतान	8,000 ₹
30 संजना द्वारा व्यक्तिगत प्रयोग के लिए माल लेना	7,000 ₹
31 करुणा को माल की बिक्री	12,000 ₹

उत्तर –

Books of Sanjana
Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017					
Jan. 01	Cash in Hand A/c	Dr.		6,000	
	Cash at Bank A/c	Dr.		55,000	
	Stock A/c	Dr.		40,000	
	Tarun A/c	Dr.		10,000	
	To Rohan's A/c				6,000
	To Capital				1,05,000
	(Opening Entry is made for Assets & Liabilities)				
Jan. 03	Karuna's A/c	Dr.		15,000	
	To Sales				15,000
	(Goods sold to Karuna)				
Jan. 04	Cash A/c	Dr.		10,000	
	To Sales				10,000
	(Goods sold for Cash)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Jan. 06	Heena's A/c Dr. To Sales (Goods sold to Heena)	5,000	5,000
Jan. 08	Purchases A/c Dr. To Rupali (Purchased Goods from Rupali on Credit)	30,000	30,000
Jan. 10	Sales Return A/c Dr. To Karuna (Goods returned by Karuna)	2,000	2,000
Jan. 14	Cash A/c Dr. To Karuna (Cash received from Karuna)	13,000	13,000
Jan. 15	Rohan's A/c Dr. To Bank (Paid to Rohan by Cheque)	6,000	6,000
Jan. 16	Cash A/c Dr. To Heena (Cash received from Heena)	3,000	3,000
Jan. 20	Bank A/c Dr. To Tarun (Cheque received from Tarun)	10,000	10,000
Jan. 22	Bank A/c Dr. To Heena (Cheque received from Heena)	2,000	2,000
Jan. 25	Rupali's A/c Dr. To Cash (Cash given to Rupali)	18,000	18,000
Jan. 26	Cartage A/c Dr. To Cash (Cartage paid)	1,000	1,000
Jan. 27	Salary A/c Dr. To Cash (Salary paid)	8,000	8,000
Jan. 28	Cash A/c Dr. To Sales (Goods sold for Cash)	7,000	7,000
Jan. 29	Rupali's A/c Dr. To Bank (Cheque given to Rupali)	12,000	12,000
Jan. 30	Drawings A/c Dr. To Purchases (Goods withdrawn for Private use)	4,000	4,000
Jan. 31	General Expenses A/c Dr. To Cash (General Expenses paid)	500	500
	Total	2,57,500	2,57,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

Ledger

Dr. Cash A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Jan. 1	To Balance b/d		6,000	Jan. 25	By Rupali		18,000
Jan. 4	To Sales		10,000	Jan. 26	By Cartage		1,000
Jan. 14	To Karuna		13,000	Jan. 27	By Salary		8,000
Jan. 16	To Heena		3,000	Jan. 31	By General Exp.		500
Jan. 28	To Sales		7,000				

Dr. Bank A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Jan. 1	To Balance b/d		55,000	Jan. 15	By Rohan		6,000
Jan. 20	To Tarun		10,000	Jan. 29	By Rupali		12,000
Jan. 22	To Heena		2,000				

Dr. Stock A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Jan. 1	To Balance b/d		40,000				

Dr. Tarun's Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Jan. 1	To Balance b/d		10,000	Jan. 20	By Bank		10,000

Dr. Rohan's Account Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Jan. 15	To Bank		6,000	Jan. 1	By Balance b/d		6,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Capital A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 Jan. 1	By Balance b/d		1,05,000

Dr. **Karuna's A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Jan. 3	To Sales		15,000	2017 Jan. 10 Jan. 14	By Sales Ret. By Cash		2,000 13,000

Dr. **Sales Account** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
				2017 Jan. 03 Jan. 04 Jan. 06 Jan. 28	By Karuna By Cash By Heena By Cash		15,000 10,000 5,000 7,000

Dr. **Heena's Account** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Jan. 06	To Sales		5,000	2017 Jan. 16 Jan. 22	By Cash By Bank		3,000 2,000

Dr. **Purchases A/c** Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 Jan. 08	To Rupali		30,000	2017 Jan. 30	By Drawings		4,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Rupali's A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017				2017			
Jan. 25	To Cash		18,000	Jan. 08	By Purchases		30,000
Jan. 29	To Bank		12,000				

Dr. Sales Return Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Jan. 10	To Karuna		2,000				

Dr. Cartage A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Jan. 26	To Cash		1,000				

Dr. Salary A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Jan. 27	To Cash		8,000				

Dr. Drawings A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Jan. 30	To Purchases		4,000				

Dr. General Expenses A/c Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017							
Jan. 31	To Cash		500				

प्रश्न 22 अनुदीप की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

I. दिल्ली में कांता से 2,00,000 ₹ के माल का क्रय (CGST @ 9%, SGST @ 9%)
II. राजस्थान से 1,00,000 ₹ के माल का नकद क्रय (IGST @ 12%)
III. पंजाब में सुधीर को 1,50,000 ₹ का माल बेचा (IGST @ 18%)
IV. रेलवे यातायात व्यय 10,000 ₹ का भुगतान (CGST @ 5%, SGST @ 5%)
V. दिल्ली के सिद्धू को 1,20,000 ₹ का माल बेचा (CGST @ 9%, SGST @ 9%)
VI. कार्यालय के लिए एयर कंडीशनर का क्रय 60,000 ₹ (CGST @ 9%, SGST @ 9%)
VII. उत्तर प्रदेश में सुनील को 1,50,000 ₹ का नकद माल बेचा (IGST @ 18%)
VIII. व्यवसाय में उपयोग के लिए मोटर साइकिल खरीदी 50,000₹ (CGST a 14%, SGST @ 11%)
IX. ब्रॉडबैण्ड सेवाओं का 4,000 ₹ भुगतान किया (CGST @ 9%, SGST @ 9%)
X. दिल्ली में राजेश से 50,000 ₹ का माल खरीदा (CGST @ 9%, SGST @ 9%)

उत्तर –

Books of Anudeep
Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
(i)	Purchases A/c	Dr.		2,00,000	
	Input CGST A/c	Dr.		18,000	
	Input SGST A/c	Dr.		18,000	
	To Kanta				2,36,000
	(Being goods bought on credit from Kanta)				
(ii)	Purchases A/c	Dr.		1,00,000	
	Input IGST A/c	Dr.		12,000	
	To Bank A/c				1,12,000
	(Being goods purchased)				
(iii)	Sudhir's A/c	Dr.		1,77,000	
	To Sales A/c				1,50,000
	To Output IGST A/c				27,000
	(Being goods sold on Credit)				
(iv)	Railway Transport A/c	Dr.		10,000	
	Input CGST A/c	Dr.		500	
	Input SGST A/c	Dr.		500	
	To Bank A/c				11,000
	(Being paid for railway transport)				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(v)	Siddhu's A/c	Dr.	1,41,600	
	To Sales A/c			1,20,000
	To Output CGST A/c			10,800
	To Output SGST A/c			10,800
	(Being goods sold to Siddhu)			
(vi)	Air Conditioner A/c	Dr.	60,000	
	Input CGST A/c	Dr.	5,400	
	Input SGST A/c	Dr.	5,400	
	To Bank A/c			70,800
	(Being Air Conditioner purchased for office use)			
(vii)	Bank A/c	Dr.	1,77,000	
	To Sales A/c			1,50,000
	To Output IGST A/c			27,000
	(Being goods sold for cash)			
(viii)	Motorcycle A/c	Dr.	50,000	
	Input CGST A/c	Dr.	7,000	
	Input SGST A/c	Dr.	7,000	
	To Bank A/c			64,000
	(Being Motorcycle purchased for business use)			
(ix)	Broadband Services A/c	Dr.	4,000	
	Input CGST A/c	Dr.	360	
	Input SGST A/c	Dr.	360	
	To Bank A/c			4,720
	(Paid for Broadband services)			
(x)	Purchases A/c	Dr.	50,000	
	Input CGST A/c	Dr.	4,500	
	Input SGST A/c	Dr.	4,500	
	To Rajesh			59,000
	(Being goods purchased from Rajesh)			

SHIVOM CLASSES 8696608541